डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 165 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 25 मई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

बांके बिहारी कॉरिडोर केस फिर से सुनेगा सुप्रीम कोर्ट

● पुनर्विचार याचिका में कहा-हमारा पक्ष बिना सुने दिया निर्णय, जज ने कहा-हम सहमत

मथुरा (एजेंसी)। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर को लेकर मंदिर के पुजारी देवेंद्र नाथ गोस्वामी ने रिव्यू पिटिशन दाखिल की है। जज अब पिटिशन को सुनने पर सहमत हो गई है। उनके वकील सीनियर एडवोकेट अमित आनंद तिवारी ने मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह के सामने कहा- मंदिर के फंड को उपयोग करके 5 एकड़ जमीन अधिगृहीत करने के फैसले में हमारा पक्ष नहीं सुना गया, इसलिए यह निर्णय एकपक्षीय है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 मई को यूपी सरकार को वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर के फंड का उपयोग कॉरिडोर विकास के लिए करने की अनुमति दी थी। इस फंड से मंदिर के आसपास 5 एकड़ भूमि अधिग्रहण की जानी है। शर्त यह रखी गई कि अधिगृहीत भूमि देवता के नाम पर रजिस्टर होगी। सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटिशन दाखिल करने वाले आवेदक देवेंद्र नाथ गोस्वामी मंदिर के पुजारी हैं। सेवायत की राजभोग सेवा से हैं। देवेंद्र नाथ गोस्वामी ने कहा है- मैं मूल संस्थापक स्वामी श्री हरि दास जी गोस्वामी के वंशज हूं और हमारा परिवार सदियों पुरानी रीति-रिवाजों के अनुसार 500 से ज्यादा वर्षों से मंदिर से जुड़ा है। देवेंद्र नाथ गोस्वामी ने अर्जी में कहा है- मंदिर के मामलों और धन के और प्रबंधन का मुद्दा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। मंदिर के कोष के उपयोग की अनुमति देते समय हमें पक्षकार नहीं बनाया गया। बांके बिहारी कॉरिडोर बनाने के लिए प्रदेश सरकार मंदिर के खजाने की राशि से कॉरिडोर के लिए जमीन खरीदना चाहती थी। लेकिन, इसका मंदिर के गोस्वामियों ने विरोध किया और मामला हाईकोर्ट पहुंच गया। हाइकोर्ट ने मंदिर के खजाने की राशि के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी।

अयोध्या के 22 साल के लेफ्टिनेंट सिक्किम में शहीद

● हार्टपेशेंट मां को खबर नहीं दी, पिता अमेरिका से रवाना; साथी को बचाने में गई जान

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के रहने वाले लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी सिक्किम में शहीद हो गए। ऑपरेशनल गश्त के दौरान उनका एक साथी जवान नदी में गिर गया। तेज बहाव में जवान बहने लगा। यह देखकर शशांक नदी में कूद गए। साथी को तो मौत के मुंह से खींचकर बाहर निकाल लाए, लेकिन खुद जान गंवा बैठे। 22 साल के शशांक का पार्थिव शरीर अयोध्या पहुंच गया है। कल यानी शनिवार को राजकीय सम्मान के साथ जमथरा घाट पर अंतिम संस्कार होगा। शशांक घर के इकलौते बेटे थे। 2019 में उनका सिलेक्शन एनडीए में हुआ था। पिछले साल उन्हें कमीशन मिला और पहली पोस्टिंग सिक्किम में हुई। शशांक की अभी शादी नहीं हुई थी। वह अयोध्या के थाना कैंट क्षेत्र के मझवां गद्दोपुर के रहने वाले थे। शशांक के पिता जंग बहादुर तिवारी मर्चेंट नेवी में हैं और वर्तमान में अमेरिका में तैनात हैं। बेटे की मौत का पता चलते ही वह इंडिया के लिए रवाना हो गए। आज शाम या कल सुबह तक उनके अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी का पार्थिव शरीर आज दोपहर बाद सिलीगुड़ी के बागडोगरा एयरपोर्ट से विशेष विमान द्वारा सीधे अयोध्या लाया जाएगा। वहां से सेना के अधिकारी पार्थिव शरीर को उनके निवास स्थान तक ले जाएगी।

पंजाब में भ्रष्टाचार केस में एएपी विधायक गिरफ्तार

● घर पर सुबह से विजिलेंस रेड जारी, नोटिस भिजवा सेटिंग कर वसूली के आरोप में एफआईआर

जालंधर (एजेंसी)। पंजाब में आम आदमी पार्टी के जालंधर सेंट्रल से विधायक रमन अरोड़ा को विजिलेंस ने गिरफ्तार कर लिया है। विजिलेंस टीम ने सुबह 8.45 बजे अरोड़ा के अशोक नगर स्थित घर पर रेड की। जिस वक्त विजिलेंस टीम पहुंची, विधायक अरोड़ा कहीं जा रहे थे। विजिलेंस ने घर के नजदीक मंदिर के मोड़ से उन्हें हिरासत में लिया था। इसके बाद टीम उन्हें

घर में ले गई। जिसके बाद अंदर छानबीन की गई। पुख्ता सबूत हाथ लगने के बाद विधायक को गिरफ्तार कर लिया गया। विजिलेंस की रेड अभी जारी है। जानकारी के अनुसार विधायक के समधी राजू मदान के घर भी विजिलेंस की एक टीम पहुंची थी, हालांकि टीम को वहां से कुछ नहीं मिला। विधायक का केस कुछ दिन पहले गिरफ्तार किए एएपी से जुड़ा हुआ है। सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक विधायक पर आरोप है कि जालंधर नगर निगम के जरिए उन्होंने लोगों को नोटिस भिजवाए। फिर रुपए लेकर नोटिसों को रफा-दफा करा दिया। इस मामले में एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है। अरोड़ा पर ऐक्शन की तैयारी पहले से थी।

कोटा में छात्रों की 'आत्महत्या' पर नजर आई 'सुप्रीम' चिंता

● राजस्थान सरकार से पूछा-स्टूडेंट्स कोटा में ही क्यों दे रहे जान

लगाई फटकार, कहा-इसे रोकने के लिए अब तक क्या किया है

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टूडेंट्स सुसाइड मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान कोटा में हो रहे स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की बेंच ने कहा, कोटा में इस साल अब तक 14 स्टूडेंट्स सुसाइड कर चुके हैं। आप एक राज्य के तौर पर इसे लेकर क्या कर रहे हैं। स्टूडेंट्स कोटा में ही क्यों आत्महत्या कर रहे हैं। एक राज्य के तौर पर क्या आपने इस पर कोई विचार नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी कोटा में छात्रा का शव मिलने और आईआईटी खड़गपुर के छात्र के सुसाइड मामले की सुनवाई के दौरान की। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी। 4 मई को एग्जाम से कुछ ही घंटे पहले कोटा के हॉस्टल में 17 साल की छात्रा का शव मिला था। 4 मई को ही, खड़गपुर में पढ़ने वाले 22 साल के स्टूडेंट ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगा ली थी। इन्हीं दोनों मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 6 मई को स्वतः संज्ञान लिया था। खड़गपुर सुसाइड को लेकर कोर्ट ने 14 मई को कहा था वो सिर्फ यह पता लगाने के लिए संज्ञान ले रहे हैं कि प्रशासन ने अमित कुमार एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य मामले में जारी कोर्ट के निर्देशों का पालन कर एफआईआर दर्ज कराई है या नहीं। कोर्ट ने इस पर जवाब मांगा था।

बेहतर जिंदगी का लालच देकर म्यांमार की लड़कियों की हो रही तस्करी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर अब सिर्फ सुरम्य वादियों और सीमावर्ती सुरक्षा मुद्दों के लिए ही नहीं, बल्कि एक खतरनाक सामाजिक अपराध के लिए भी चिंता का विषय बनता जा रहा है। म्यांमार से लाई जा रही रोहिंग्या लड़कियों की तस्करी और जबरन शादियों का जाल यहां तेजी से फैलता जा रहा है। म्यांमार की रोहिंग्या बस्तियों में गरीबी और असुरक्षा के माहौल में जी रहीं लड़कियों को भारत में अच्छी जिंदगी का सपना दिखाकर लाया जाता है। लेकिन ये सपना जल्द ही एक डरावनी हकीकत में बदल जाता है। भारत पहुंचते ही इन लड़कियों को उम्र में दो गुने या मानसिक और शारीरिक रूप से अक्षम पुरुषों से जबरन शादी करने को मजबूर किया जाता है। खबर के मुताबिक जम्मू के बठिंडी, सुंजवां, त्रिकुटा नगर और नरवाल जैसे इलाके अब रोहिंग्या बस्तियों से भर चुके हैं। यहीं लड़कियों को कुछ दिन छिपाकर रखा जाता है और फिर सौदा पक्का होते ही उन्हें आगे कश्मीर या अन्य राज्यों में भेज दिया जाता है। सूत्रों के मुताबिक, जम्मू और श्रीनगर में अब तक 140 से अधिक लड़कियों की जबरन शादी कराई जा चुकी है। इन लड़कियों की कीमत एक लाख तक तय की जाती है।

75 वर्ष तक बहुत जी लिया पाकिस्तान, अब उसका समय आ गया है: योगी

● बोले मुख्यमंत्री योगी, अयोध्या में चांदी का मुकुट पहनकर लहराई गदा ● कहा-नया भारत किसी को छेड़ता नहीं, कोई छेड़े तो उसे छोड़ता नहीं है

अयोध्या (एजेंसी)। सीएम योगी ने कहा-हमें समय रहते मित्र और शत्रु को पहचानना होगा। जिस तरह चतुराई और विवेक से हनुमान जी ने कालनेमि को पहचान लिया था। पाकिस्तान ने 75 वर्ष तक बहुत जी लिया। अब उसका समय आ गया है। वह अपने कर्मों से समाप्त हो जाएगा। 2017 से पहले संत देश में यात्रा पर जाते थे, तो लोग सम्मान का भाव नहीं रखते थे। आज कही भी अयोध्या का नाम लेंगे तो लोग आपको सम्मान देंगे। अयोध्या का नाम सुनते ही लोगों में सम्मान आ जाता है। अयोध्या गुमनाम अस्तित्व को ढूंढ रही थी। हम लोगों ने कसम खाई थी कि राम लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अयोध्या में कही। सीएम ने हनुमानगढ़ी में नवनिर्मित 5000 लोगों की क्षमता वाले हनुमत कथा मंडपम का लोकार्पण किया। हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेम दास महाराज ने सीएम योगी को चांदी का मुकुट पहनाया और गदा देकर स्वागत किया। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा की है। योगी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह नया भारत है, यह किसी को छेड़ता नहीं है लेकिन कोई छेड़ता है तो उसको छोड़ता भी नहीं है।

फ्लाइट के टेक ऑफ-लैंडिंग के वक्त बंद रहेंगी खिड़कियां

● फोटोग्राफी और वीडियो बनाना बैन, देश के 4 डिफेंस एयरपोर्ट पर नियम लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस एरिया की सुरक्षा को देखते हुए भारत सरकार ने फ्लाइट के टेक ऑफ-लैंडिंग के वक्त खिड़कियां बंद रखने का आदेश दिया है। यह आदेश डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन की तरफ से जारी किया गया है। आदेश के मुताबिक पैसेंजर्स के फोटो खींचने और वीडियो बनाने पर भी बैन रहेगा। यह नियम देश के उन 4 डिफेंस एयरपोर्ट पर लागू होगा, जिनका इस्तेमाल कमर्शियल फ्लाइट के लिए होता है। इसमें अमृतसर, जम्मू, श्रीनगर और जैसलमेर एयरपोर्ट शामिल है। 10,000 फीट ऊंचाई तक बंद रखनी होगी फ्लाइट की विंडो डीजीसीए ने एयरलाइंस, हेलीकॉप्टर और चार्टर्ड प्लेन ऑपरेटरों को निर्देश जारी किया है कि डिफेंस एयरफील्ड में आने और जाने वाली उड़ानों में पैसेंजर्स के बगल वाली सीटों की खिड़कियां तब तक बंद रहेंगी जब तक कि विमान टेकऑफ के दौरान 10,000 फीट की ऊंचाई तक नहीं पहुंच जाता या लैंडिंग के दौरान नीचे नहीं उतर जाता।

शाह ने बीएसएफ की भूमिका की बांग्लादेश को दिलाई याद

● गृहमंत्री बोले-तुम्हारा जन्म कैसे हुआ है, यह बिलकुल मत भूलो

बल के 22वें अलंकरण समारोह के अवसर पर की जमकर तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पड़ोसी देश बांग्लादेश के रोज-रोज के नए पैंतरों पर स्पष्ट चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि उसका जन्म कैसे हुआ है और उसके निर्माण में भारत के सीमा सुरक्षा बल की क्या भूमिका थी। उन्होंने दो टूक लहजे में कहा कि पड़ोसी देश 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान उसके निर्माण में बीएसएफ की बड़ी भूमिका को नजरअंदाज न करे। बांग्लादेश के निर्माण में भारत के ऐतिहासिक सहयोग की याद दिलाते हुए शाह ने बीएसएफ की महत्वपूर्ण भागीदारी पर भी जोर दिया। शाह ने ये बातें 22वें सीमा सुरक्षा बल अलंकरण समारोह और रुस्तमजी स्मारक व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा, बांग्लादेश को अपने निर्माण में बीएसएफ द्वारा निभाई गई बड़ी भूमिका को नहीं भूलना चाहिए। इसके साथ ही शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों पर भारत की सैन्य कार्रवाई के विरोध में और आतंकवादियों के समर्थन में भारत पर जवाबी कार्रवाई करने से दुनिया भर में पाकिस्तान की पहचान आंतकवाद का समर्थन करने वाले देश की बन गयी है और वह पूरी तरह बेनकाब हो गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान बार-बार दावा करता रहा है कि वह आतंकवाद को समर्थन नहीं देता है लेकिन ऑपरेशन सिन्दूर के बाद के दुनिया के सामने बेनकाब हो गया है।

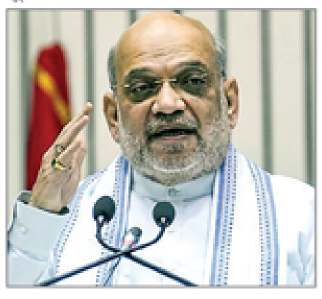

भारत के अगले 'ऑपरेशन' को फेल करने में जुटा चीन

बीजिंग (एजेंसी)। चीन क्या पाकिस्तान की मदद करने के लिए भारत के खिलाफ खुलकर मैदान में आ गया है। ये सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की नाकामी को देखते हुए चीन ने अपनी मिलिट्री सैटेलाइट की पहुंच का विस्तार पाकिस्तान तक करने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान और चीन के सैन्य अधिकारियों के बीच 16 मई को एक बैठक की गई है, जिसमें चीन ने पाकिस्तान की सेना के लिए अपने बेइदो सैटेलाइट सिस्टम की पहुंच का विस्तार करने की बात कही है।

विमान में चीख-पुकार, फिर भी पाक ने नहीं दी परमीशन

टर्बुलेंस में फंसी इंडिगो फ्लाइट की श्रीनगर में इमरजेंसी लैंडिंग, 224 पैसेंजर थे सवार

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट 21 मई को ओलावृष्टि के कारण भीषण टर्बुलेंस (हवा में झटकों) की चपेट में आ गई थी। इस दौरान पायलट ने पाकिस्तान से उसका एयरस्पेस इस्तेमाल करने की इजाजत मांगी थी। हालांकि, पाकिस्तान ने मना कर दिया। न्यूज एजेंसी ने 22 मई को सूत्रों के हवाले से बताया कि इंडिगो फ्लाइट जब अमृतसर के ऊपर से गुजर रही थी, तब पायलट ने हल्का टर्बुलेंस महसूस किया। उन्होंने लाहौर एयर ट्रैफिक कंट्रोल से कॉन्टैक्ट किया और खराब मौसम से बचने के लिए पाकिस्तान के एयरस्पेस में घुसने की परमिशन मांगी। लाहौर एलएटीसी ने पायलट को साफ मना कर दिया, जिसके कारण फ्लाइट को अपने तय रूट पर आगे बढ़ना पड़ा। आगे जाकर फ्लाइट गंभीर टर्बुलेंस की चपेट में आ गई। फ्लाइट जोर से हिलने-डुलने लगी। फ्लाइट में 227 लोग सवार थे। तेज झटकों के कारण सभी चीखने-चिल्लाने लगे थे। पायलट ने श्रीनगर एलएटीसी को जानकारी दी और फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई। लैंडिंग के बाद देखा गया कि फ्लाइट का अगला हिस्सा (नोज कोन) टूट गया था। सोशल मीडिया पर फ्लाइट के भीतर के कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें लोग अपनी जान के लिए प्रार्थना करते नजर आ रहे हैं। बच्चों के रोने की आवाजें भी आ रही हैं। एलएटीसी ने बताया, आखिर हवा में क्या हुआ था डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि, 21 मई को इंडियो की आई 321 फ्लाइट दिल्ली से श्रीनगर जा रही थी। पंजाब के पठानकोट के पास अचानक मौसम बिगड़ गया। ओले गिरने लगे। पायलट के मुताबिक, उसने इंडियन एयर फोर्स से बाईं तरफ यानी इंटरनेशनल बॉर्डर की तरफ मुड़ने की परमीशन मांगी। जिसे मना कर दिया गया। इसके बाद पायलट ने लाहौर एटीसी से संपर्क कर उनके हवाई क्षेत्र में इंट्री करने की परमीशन मांगी लेकिन लाहौर एटीसी ने इजाजत नहीं दी। इसके बाद पायलट ने फ्लाइट को वापस ले जाने का प्रयास किया लेकिन तब तक विमान तेज आंधी-बारिश में पहुंच गया। इसके बाद पायलट ने फ्लाइट को मौसम के बीच ले जाने का फैसला लिया। इस दौरान फ्लाइट की स्पीड तेज कर दी। आखिर में श्रीनगर एयरपोर्ट पर सेफ लैंडिंग की। हालांकि इससे विमान के नोज को नुकसान पहुंचा है। पूरे मामले की जांच डीजीसीए की तरफ से की जा रही है।

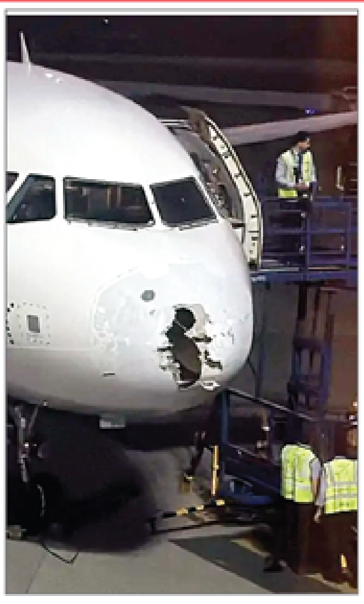

पहलगाम हमले के बाद भारत-पाक ने एयरस्पेस बंद किया बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी है। 24 अप्रैल को पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइनों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। भारत ने भी पाकिस्तानी एयरलाइनों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन के नियमों के तहत, कोई भी देश किसी दूसरे देश के लिए अपना एयरस्पेस एक महीने से ज्यादा समय तक बंद नहीं कर सकता। ऐसे में पाकिस्तान भारतीय एयरलाइनों के लिए अपना एयरस्पेस सिर्फ 23 मई तक बंद रख सकता है।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

ताकि भरोसा बना रहे

जस्टिस यशवंत वर्मा केस में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कुछ अहम सवाल उठाए हैं। जांच कमिटी के संवैधानिक आधार और अब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं होने को लेकर उनकी चिंताओं पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है क्योंकि मामला न्यायपालिका की विश्वसनीयता और पारदर्शिता से जुड़ा हुआ है।

कमिटी की वैधता: जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में कथित तौर पर नकदी मिली थी। सुप्रीम कोर्ट ने घटना की जांच के लिए तीन जजों की आंतरिक कमिटी बनाई, जिसने आरोपों को विश्वसनीय माना है। लेकिन, उपराष्ट्रपति का यह कहना कि कमिटी की कोई संवैधानिक वैधता नहीं है - खुद इस जांच की विश्वसनीयता पर अंगुली उठा देना है। क्या कोई ऐसा तरीका निकाला जा सकता है, जिससे इन-हाउस इन्क्वॉयरी की प्रासंगिकता और संवैधानिक वैधता बनी रहे?

वीरास्वामी केस: उपराष्ट्रपति चाहते हैं कि 1991 के सुप्रीम कोर्ट के वीरास्वामी फैसले पर पुनर्विचार किया जाए। इस फैसले के मुताबिक ही सिटिंग जज के खिलाफ FIR के लिए CJI की मंजूरी चाहिए होती है। यह व्यवस्था इसलिए है ताकि न्यायपालिका बिना किसी डर, दबाव या लालच के अपना कर्तव्य निभा सके।

सरकार के पाले में गेंद: सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के सिटिंग जज को बर्खास्त या सस्पेंड करने का अधिकार भी सुप्रीम कोर्ट कलीजियम के पास नहीं है। कलीजियम काम वापस ले सकता है, ट्रांसफर की सिफारिश कर सकता है और जांच समिति बना सकता है। इस केस में जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर किया गया और कमिटी की रिपोर्ट सरकार व राष्ट्रपति के पास भेजकर महाभियोग की सिफारिश कर दी गई है। यहां से अब गेंद सरकार और संसद के पाले में है।

पहला मामला: महाभियोग ही एकमात्र तरीका है, जिससे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के मौजूदा जजों को हटाया जा सकता है। लेकिन, आजाद भारत के इतिहास में आज तक ऐसा नहीं हुआ। इसके पहले, भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश सौमित्र सेन के खिलाफ महाभियोग चला था, लेकिन लोकसभा में वोटिंग से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया यानी वहां भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी।

जटिलता कम हो: भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में जस्टिस वर्मा केस एक दुर्लभ मौका है। इसकी वजह से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस न पहुंचे और जनता का भरोसा बना रहे, इसके लिए पूर्व CJI संजीव खन्ना ने मामले से जुड़ी जानकारियों को देश से साझा किया। साथ ही, उनकी पहल पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा भी सार्वजनिक किया। अब अगर यह मामला महाभियोग तक पहुंचता है, तो वहां भी एक लंबी प्रक्रिया चलेगी। विचार करने वाली बात यह है कि क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखते हुए प्रक्रिया की जटिलता को कम किया जा सकता है?

मई-जून में इतनी आंधी क्यों आती है? एक विस्तृत वैज्ञानिक और सामाजिक पड़ताल

By Salman Pathan

मई के शुरुआती दिनों में भीषण गर्मी जारी थी। फिर 13 मई के बाद से कई इलाकों में मौसम बदलना शुरू हुआ...

सबसे पहले 13 मई से असम और मेघालय समेत पूर्वोत्तर राज्यों में तूफान और बारिश शुरू हुई।

15 से 17 मई के बीच भारत के दक्षिण इलाकों यानी कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में गरज के साथ तेज बारिश का दौर शुरू हो गया।

19 से 23 मई तक दिल्ली, UP, MP, राजस्थान समेत लगभग सभी प्रदेशों में आंधी-तूफान देखने को मिला।

उत्तर प्रदेश में 60, राजस्थान में 2 की मौत

उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश के चलते पिछले दो दिनों में 60 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 6 लोगों की मौत फतेहपुर जिले में हुई है। इसके अलावा राजस्थान में 2 और दिल्ली में भी 4 लोगों ने जान गंवाई है। छत्तीसगढ़ में 21 मई को बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा सैकड़ों लोग आंधी-तूफान के चलते घायल भी हुए हैं।

224 पैसेंजर्स से भरी इंडिगो फ्लाइट क्षतिग्रस्त

21 मई को इंडिगो की एक फ्लाइट दिल्ली से श्रीनगर जा रही थी। श्रीनगर से 20 मिनट पहले फ्लाइट एक तूफान में फंस गई। ओले और बिजली गिरने से फ्लाइट की नोज क्षतिग्रस्त हो गई। भारी टर्बुलेंस के बीच फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग करना पड़ी। विमान में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं।

पेड़ और इलेक्ट्रिक पोल उखड़े, फ्लाइट्स कैंसिल

मध्य प्रदेश और राजस्थान में तेज बारिश के चलते कई जगहों पर पेड़ और साइन बोर्ड गिर गए। जल भराव की स्थिति भी देखने को मिली। राजस्थान के भीलवाड़ा में घरों के ऊपर लगे सोलर सेल उखड़ गए। दिल्ली से बारिश के चलते कई फ्लाइट्स कैंसिल, डिले और डायवर्ट भी करनी पड़ी।

23 मई को भारतीय मौसम विभाग यानी IMD ने देशभर में आंधी-बारिश और हीट वेव का अलर्ट एक साथ जारी किया...

महाराष्ट्र और गोवा के तटीय इलाकों में बहुत भारी बारिश के साथ ही हीट वेव का रेड अलर्ट दिया है। छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, गुजरात कर्नाटक जैसे राज्यों में भारी बारिश के साथ हीट वेव का यलो अलर्ट है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में ओले गिरने की चेतावनी जारी की गई।

IMD के मौसम वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार कहते हैं, 'सेंट्रल एशिया और हिमालय से आने वाली ठंडी हवाएं उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में बादल, बारिश और आंधी-तूफान लाती हैं। यह हवाएं इन दिनों अपनी गति से तेज चल रही हैं। वहीं, देश में इस वक्त हीट वेव वाला सिस्टम भी एक्टिव है।

ऐसे में जब यह दोनों हवाएं टकरातीं हैं तो मौसम अचानक बदल जाता है। इसीलिए देश के एक बड़े हिस्से में दिन में हीट वेव और रात में आंधी-तूफान देखने को मिल रहा है। इसके अलावा अरब सागर में मई में कई दबाव वाले इलाके यानी लो-प्रेशर सिस्टम बन रहे हैं, जो केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्यों में भारी बारिश की वजह बन रहे हैं।'

सवाल-3: नौतपा वाले मई महीने में ऐसे आंधी-तूफान आने की क्या वजह है?

जवाब: इस साल 25 मई से 2 जून तक नौतपा रहेगा। इस दौरान सूर्य पृथ्वी के करीब होता है, जिससे उसकी किरणें सीधे और तेज पड़ती हैं और तापमान बढ़ जाता है। माना जाता है कि इन 9 दिनों में बहुत ज्यादा गर्मी पड़ती है। हालांकि हर साल ऐसा हो, ये जरूरी नहीं है। जैसे-

2024 में नौतपा के दौरान पूरे देश में हीट वेव चल रही थी। गर्मी इतनी तेज थी कि 4 दिनों में ही 320 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। कई राज्यों में लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर न निकलने की नसीहत दी जाने लगी।

जबकि 2023 में नौतपे के दौरान भीषण गर्मी नहीं पड़ी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और दिल्ली समेत उत्तर भारत के ज्यादातर राज्यों में मई-जून के महीने में बारिश हुई।

मानसून आने से पहले मई महीने में हल्के आंधी-तूफान को आमतौर पर सामान्य माना जाता है। ऐसा हर एक-दो साल में होता है। दिल्ली में लगभग हर साल के मई महीने में औसतन 5.9 दिन आंधी तूफान आता है, लेकिन इस बार यह सिस्टम पूरे देश में बना हुआ है, जो सामान्य से थोड़ा अलग है।

इसे और आसान भाषा में समझते हैं...

साइंस की क्लास में हमने ये पढ़ा है कि हवा गर्म होकर ऊपर उठती है। इस साल मई के महीने में भारत में विकराल गर्मी पड़ी। जब जमीन गर्म हो जाती है, तो गर्म हवा ऊपर उठती है।

गर्म हवा ऊपर उठने से लो-प्रेशर एरिया बनता है। यह लो प्रेशर ठंडी और नम हवाओं को अपनी तरफ आकर्षित करता है।

उत्तर और मध्य-भारत में ठंडी और नम हवाएं कई तरफ से आती हैं। सेंट्रल एशिया, हिमालय और अरब सागर से। इस बार ठंडी हवाओं ने प्रेशर ज्यादा बढ़ा दिया। गर्म और ठंडी हवाओं के टकराने से मई जैसे गर्म महीने में भी इतने भीषण तूफान आने लगे।

अरब सागर में लो प्रेशर बना हुआ है। अगले 24 घंटों में इसके डिप्रेशन में बदलने और गोवा-महाराष्ट्र तट की ओर बढ़ने की आशंका है। राज्यों के ऊपर से गुजर रहे स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से अगले कुछ दिन ऐसा ही मौसम रह सकता है।

मौसम विभाग के 23 मई के बुलेटिन के मुताबिक 29 मई तक देश के ज्यादातर हिस्सों में आंधी-तूफान का दौर जारी रहेगा...

उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, बिहार, उड़ीसा और मध्य प्रदेश में इस दौरान बारिश होगी। कुछ इलाकों में हल्की तो कहीं तेज बारिश का अनुमान है। उत्तर पूर्वी राज्यों और दक्षिण भारत में केरल और कर्नाटक में भी बारिश की संभावना है।

24 मई को मध्य प्रदेश में 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। वहीं बिहार में 24 और 25 मई को इसी रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

दो दिनों में उत्तर पश्चिम भारत जैसे उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान 2 डिग्री तक बढ़ सकता है। उसके बाद अगले 5 दिन तापमान में कोई बदलाव नहीं होगा। वहीं देश के बाकी हिस्सों में अगले एक हफ्ते अधिकतम तापमान में कोई बदलाव न होने का अनुमान है।

छात्र नेता-बीएनपी की जंग में उलझे यूनुस

बांग्लादेश में सियासी सरगर्मियों का दौर जारी है। दरअसल, देश में लगातार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। खासकर उसकी तरफ से किए गए सुधार और देश में लोकतंत्र की नई इबारत लिखने के वादों पर। बीते 10 महीने में जिस तरह से बांग्लादेश में अर्थव्यवस्था से लेकर सुधारों की गति ठहरी है, उसके बाद न सिर्फ आम लोग, बल्कि यूनुस के करीबियों ने भी अपने सुर बदल लिए हैं। अब बांग्लादेश में ताजा तनाव मोहम्मद यूनुस के बयान से उपजा है। बीबीसी बांग्ला को दिए एक इंटरव्यू में यूनुस के करीबी रहे छात्र नेता नाहिद इस्लाम ने कहा है कि अंतरिम सरकार के प्रमुख अपना पद छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। कभी यूनुस के सलाहकार रहे छात्रों की पार्टी नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिद के मुताबिक, यूनुस ने आशंका जताई कि देश की मौजूदा स्थिति में वे काम नहीं कर पाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक राजनीतिक दल सहमति नहीं बना लेते, मैं काम नहीं कर पाऊंगा। बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के दौरान शेख हसीना के सरकार से हटने के बाद छात्रों के ही एक गुट ने मांग की थी कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को पद से हटा दिया जाए। इसके पीछे वजह दी गई कि राष्ट्रपति, जो कि तीनों सेनाओं का प्रमुख होता है, उसकी नियुक्ति 2023 में शेख हसीना की सरकार ने ही की थी। हालांकि, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने छात्रों के गुट की मांग पर असहमति जता दी थी। इसके चलते बांग्लादेश में बीएनपी और छात्र संगठनों के बीच टकराव की शुरुआत हो गई। रिपोर्ट्स की मानें तो मोहम्मद यूनुस सरकार जल्द ही संविधान संशोधन के जरिए राष्ट्रपति का पद ही खत्म करने पर विचार कर रही है। हालांकि, इसे बीएनपी ने अब तक समर्थन नहीं दिया है। यहां तक कि बांग्लादेश के सेना प्रमुख तक ने ऐसे कदम की जानकारी न होने के साथ ऐसी कथित बातों को बकवास करार दिया है। हाल ही में जब बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता इशराक हुसैन ने ढाका दक्षिण शहर निगम में मेयर पद के लिए शपथ लेने का अभियान शुरू किया तो उनके समर्थक इस मांग के साथ मोहम्मद यूनुस के बंगले के बाहर तक पहुंच गए।

कूटनीति

ओंकारेश्वर पांडेय

वरिष्ठ पत्रकार व रणनीतिकार

ट्रंप बदले तो यूरोप को आई भारत की याद

बीते हफ्ते जब भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम के बारूदी गुबार के बाद जीत-हार के दावे और नुकसान के आकलन कर रहे थे और वाशिंगटन में बैठे राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार सीज फायर कराने का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे, ठीक उसी समय ब्रुसेल्स में यूरोप और ब्रिटेन इतिहास के एक नये अध्याय पर हस्ताक्षर कर रहे थे। एक ऐसा इतिहास जो खामोशी से एक ध्रुवीय विश्व को बहुध्रुवीय दुनिया की तरफ ले जा रहा था। 19 मई 2025 को ब्रुसेल्स की सर्द हवाओं में यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने जो रणनीतिक समझौता किया, उसमें सुरक्षा, रक्षा, यूक्रेन समर्थन, प्रवास, जलवायु, शिक्षा और व्यापार तो शामिल था ही, इसमें अमेरिकी छत्रछाया से इतर एक नया यूरोप बनाने की दृढ़ इच्छा शक्ति की झलक भी थी। यह समझौता महीनों की उस गोपनीय बातचीत का नतीजा था, जो जनवरी 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप की दी हुई अपमानजनक उपेक्षा और अवहेलना से शुरू हुई थी। यह ब्रेक्सिट के पुराने जख्मों पर मरहम नहीं, बल्कि यूरोप की उस जिद का प्रतीक था, जो अब अमेरिका के तलाकनामे के बाद अपनी नई राह तलाश रही है। इस साल की शुरुआत में जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दोबारा कदम रखा, तो शायद उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनका तमाशा विश्व मंच पर एक नयी पटकथा लिख देगा। एक ऐसी पटकथा, जिसमें दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका खुद अकेला पड़ता जायेगा, तो वहीं इस राह पर कदम बढ़ाते यूरोप को रूस और चीन से अलग भारत की याद आएगी, उस भारत की जिसने नेहरु के जमाने से ही गुट निरपेक्षता की राह पकड़ी थी। आज यूरोप को लग रहा है कि नेहरु के रास्ते ठीक थे, उसने अमेरिका पर निर्भर रहकर कई दशक गंवा दिये।

ट्रम्प के बयान से बदली दिशा : शायद ट्रंप को अंदाजा भी नहीं होगा कि यूरोप के प्रति उनके जहरीले बयान विश्व राजनीति की दशा और दिशा ही बदल देंगे। 20 जनवरी 2025 को, वाशिंगटन डीसी में ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ ली। इसके बाद, 15

मार्च 2025 को पेन्सिलवेनिया की एक रैली में उन्होंने नाटो को "बेकार का बोझ" ठहराया और यूरोप को "अमेरिकी खजाने पर पलने वाला मेहमान" बताया। 10 अप्रैल 2025 को टेक्सास में रूढ़िवादी दानदाताओं के सामने उन्होंने ईयू के ग्रीन डील को "आर्थिक हत्या" करार दिया, यह कहते हुए कि "अमेरिकी मजदूर यूरोप के जलवायु सपनों का बोझ क्यों उठाए?" ट्रंप के ये तीखे बयान कोई तात्कालिक तुनकमिजाजी नहीं थे। राष्ट्रपति के रूप में उनका पहला कार्यकाल (2017–2021) भी इसी तरह के तानों से भरा था, जब उन्होंने नाटो को "पुराना ढाँचा" कहा, जर्मनी को "रूस का गुलाम" बताया, और ईयू को अमेरिका का "लाभ उठाने वाला" करार दिया। अब, 2025 में, इससे मर्माहत और तिलमिलाये यूरोप की आँखों में रोष है, मुट्ठियाँ बँधी हैं, और इरादे पक्के।

यूरोप की कलम में जागा विद्रोह : ट्रम्प के अपमान भरे बयानों ने यूरोप के गौरव को ललकारा, तो यूरोप की कलम ने विद्रोह की स्याही से जवाब लिखा। 5 मई 2025 को, फ्रांस के अखबार ले मॉन्ड ने अपने संपादकीय में लिखा, "ट्रम्प ने साफ कर दिया कि यूरोप उनके लिए एक पुराना कोट है, जिसे वे कबाड़खाने में फेंकने को तैयार हैं।" जर्मनी के डेर स्पीगल ने तंज कसा, "ट्रम्प हमें इसलिए नीचा दिखाते हैं, क्योंकि वे शक्ति को केवल बम-बारूद में देखते हैं। मगर यूरोप की ताकत उसकी कूटनीति, उसकी स्थिरता, उसका धैर्य है।" 15 अप्रैल 2025 को, ब्रुसेल्स में यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन्स (ईसीएफआर) ने अपने पेपर नो लॉन्गर पार्टनर्सः ए पोस्ट-अटलांटिक यूरोप में ऐलान किया कि "स्वायत्तता अब सपना नहीं, बल्कि जरूरत है।" तथ्य यह है कि यूरोप और अमेरिका कभी विश्व मंच के दो जिगरी दोस्त थे। 1949 में दोनों ने मिलकर नाटो की नींव रखी, मार्शल प्लान (1948–1952) के जरिए यूरोप का पुनर्निर्माण किया। 11 सितंबर 2001 को, 9/11 हमलों के बाद नाटो ने पहली बार आर्टिकल 5 लागू किया, और यूरोप के सैनिक अफगानिस्तान में अमेरिका के साथ लड़े। 2008 के आर्थिक संकट में, यूरोपीय बैंकों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के साथ मिलकर वैश्विक बाजारों को संभाला। मगर ट्रम्प के लिए ये सब पुरानी कहानियाँ हैं, जिन्हें वे लेन-देन के बहीखाते में बदलना चाहते हैं। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में तो उनके तेवर यूरोप ने सह लिए। पर दूसरी बार भी वाशिंगटन का यही रवैया रहा, तो आहत ब्रुसेल्स और लंदन ने एक नया गीत लिख डाला, जिसे 19 मई 2025 को गाया गया।

आदरांजलि

ऋषि तुल्य व्यक्तित्व रामजीलाल अग्रवाल

छत्तीसगढ़ की राजधानी में अविभाजित मध्यप्रदेश से लेकर वर्तमान काल तक जिन-जिन व्यक्तित्वों को सामाजिक सफलता का प्रतीक माना गया, उनमें आदर्श उदाहरण रहे- रामजीलाल अग्रवाल। जीवन पर्यंत जिन्होंने पीड़ित मानवता के कल्याण की अपनी राह नहीं छोड़ी। टीबा बसाई झुंझुनू, राजस्थान से आकर वे छत्तीसगढ़ के रायपुर में रच बस गए और इस माटी के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। आज 96 वें वर्ष उन्होंने अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर मोक्ष की यात्रा अंगीकार कर ली। ऋषि तुल्य गौ साधक रामजीलालजी ने जितना जीवन जीया वह केवल अग्रवाल सभा के लिए ही नहीं, अन्य समाजों के लिए भी प्रेरक बना रहा। एक व्यक्ति अपने जीवन में परिवार सहित समाज के कल्याण की खातिर किस हद तक सोच सकता है वे इसका अतुलनीय उदाहरण थे। सही मायनों में अनथक कर्म योगी। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान उन्हें वरिष्ठ समाजसेवी, गौसेवक के रूप में पहचानता था।

अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय संरक्षक तो वे थे ही। इन सबके पहले एक विशाल कुटुम्ब को संभालने वाले आदर्श परिवार के मुखिया भी थे। श्रीमती सावित्री देवी अग्रवाल, गोपालकृष्ण अग्रवाल, राजधानी के सांसद एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मध्यप्रदेश - छत्तीसगढ़ बृजमोहन अग्रवाल, विजय अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, यशवंत अग्रवाल के वे पिता और श्री विष्णु अग्रवाल के बड़े भाई, पूरनलाल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल के चाचा, एवं देवेंद्र अग्रवाल, गणेश अग्रवाल के ताऊजी थे।

रामजीलाल अग्रवालजी से जो कोई एक बार मिल ले तो उन्हें भूलता नहीं था। ता-उम्र शुभ्र वस्त्रों में रहे। गांधी टोपी उनकी सुगठित कदकाठी को अधिक सम्मोहक बनाती थी। उनका जीवन संघर्षों की मिसाल था तो सफलता का भी सुंदर प्रतीक था। सक्रियता के दौर तक उन्होंने भरपूर जीवन जीया और दूसरों को प्रेरणा देते रहे। कैसी भी परिस्थितियाँ क्यों न रही हो, व्यक्ति को सदैव अपना आत्मविश्वास बनाये रखना चाहिए। जीवन में दुःख और निराशा को वे पानी का बुलबुला कहते थे जो टिकता नहीं। प्रत्येक आगंतुकों के लिए सदैव मुस्कुराते हुए उपलब्ध रहना वैसा गुण आज के समय में दिखाई नहीं देता! अपनी सक्रियता के दिनों में वे हरेक के लिए उपलब्ध रहा करते थे। उनसे कोई कभी भी मिल सकता था। आगंतुकों की उम्मीदों को यथा संभव पूरा करने की सकारात्मकता ऐसी कि कोई भी मुग्ध हो जाए। स्वास्थ्यगत समस्याओं से जूझने के दौरान भी व्हील चेयर पर बैठे रहते और स्वयं से मिलने वालों को इशारों से भोजन का आग्रह करते जाते थे - जिसके लिए उनका प्रायः सभी कौतुक करते थे।

इधर दो वर्षों से, जब से वे उम्र की चुनौतियों से जूझ रहे थे उसके पहले उन्हें खाली बैठे हुए कभी देखा नहीं जाता था। यदि कुछ न कर रहे हों, तब भी व्यस्त रहना उनकी जीवन शैली थी। दिनचर्या रात 11 बजे बिस्तर पर जाते समय तक निर्बाध चलती जाती। पहट के 4.30 बजे या 5.00 बजे तक किसी भी परिस्थितियों में बिस्तर छोड़ देने की आदत हमेशा बनाए रखीं। इसके बाद गौ-सेवा से दिन का आरंभ होता था।

आज अग्रवाल समाज यदि वृहद पैमाने पर सक्रिय और एकजुट है तो इसमें उनका योगदान और समर्पण एक बड़ा कारण है। अविभाजित मध्यप्रदेश के समय अनेक जिलों की भरपूर यात्राएं वे किया करते थे। कारण होता था समाज के प्रत्येक आम-ओ-खास को अग्रसेन जयंती उत्सव हेतु प्रेरित करना। इसके पीछे उनका मानना था कि भागीदारी से ही समाज एकजुट होता है। कालांतर में वे इस बात से प्रसन्न होते थे कि जो बिरवा कभी अपने साथियों के साथ उस काल में रोपा था वह आज आदर्श और अनुकरणीय ऊंचाइयाँ छू रहा है। नए लोगों को यह तथ्य पता न होगा कि विवाह के तुरंत बाद पैतृक ग्राम टीबाबसई (राजस्थान) से उन्हें रायपुर आने का अवसर मिला। सन 1951 का साल था वह और देश आजाद हुए 3 साल ही बीते थे। जब आए तो रामसागरपारा में ही अपने व्यवसायिक स्वप्न पूरा करने में जुट गए। सामाजिक गतिविधियों से उनका जुड़ाव शुरू हुआ 1969 के दौरान।

समाज बिखरा और बेतरतीब क्यों है?

यह सवाल उन्हें चुभता जाता था। हालांकि 1961 से ही उनकी दिलचस्पी सामाजिक मामलों को लेकर जाग गई थी। स्व. बिशम्भर दयाल अग्रवाल, स्व. महावीर प्रसाद अग्रवाल आदि उस दौर के वे बड़े नाम थे जिनके साथ काम करने का सिलसिला शुरू हुआ। नौजवान होते हुए भी उनके इरादों में छिपी समाज के लिए कुछ कर गुजरने की तड़फ उभरने लगी थी। उस दौर में रायपुर शहर में आयोजित एक बड़ा परिचय सम्मेलन समाज सेवा की ओर खुलने वाला उनका पहला बड़ा कदम था। तब समाज के भीतर इस बात को ठीक तरह से बिठाना कि 'सामूहिक विवाह में ही भला है!' एक कठिन काम था। इसी प्रकार मितव्ययिता के लिए उस दौर में प्रेरित करना भी कितना मुश्किल रहा होगा समझना आसान है। उनकी कामयाबी और सफलता का असर उनके समूचे खानदान और तीसरी , चौथी पीढ़ी तक फैला हुआ दिखाई देता है। लेकिन पीछे मुड़कर देखा जाए तो उनकी संघर्ष गाथा अपने आप में एक मिसाल बनकर सामने आती है।

वे समाज में अनेक-अनेक पदों पर वे रहे। जैसे- मध्यप्रदेश अग्रवाल सभा का उपाध्यक्ष पद 1991 से 2003 तक और अग्रवाल सभा में अध्यक्ष दायित्व उन्होंने 4 बार उठाया। तीन मर्तबा तो सर्वसम्मति से उनका नाम तय हुआ और एक मर्तबा लोकतांत्रिक ढंग से यानी जीतकर आये। उस चुनाव को पुराने हमराही आज भी रामजीलाल अग्रवाल के जीवन के दुर्लभतम उदाहरणों में रखकर याद करते हैं। कारण था "हारा हुआ प्रतिद्वंदी भी अपना ही भाई है!" यह सोचकर उसे तत्काल रामजीलाल जी ने गले से लगाकर संदेश दिया कि समाज को बिखरने से बचाये रखना है।

महावीर गौशाला के साथ तो उनका नाता रहा। 1967 से गौशाला जाने का प्रारंभ किया। गौशाला का दायित्व अध्यक्ष के रूप में 1988 से संभालना आरंभ किया। बाद में अनेक साल उन्हें यह जिम्मेदारी उठानी पड़ी। गौ सुरक्षा की दृष्टि से भी उनका कार्यकाल बहुतेरी योजनाओं के लिए लोकप्रिय रहा। मसलन शेड, पानी और हरा चारा की भरपूर व्यवस्था। गौशाला में आम भागीदारी बढ़े इस दिशा में सोचने वाले भी वे ही कहलाए। यदि सामाजिक जिम्मेदारियों की ही बात की जाए तो अग्रवाल सभा रायपुर में संरक्षक, छत्तीसगढ़ प्रदेश अग्रवाल महासभा में अध्यक्ष और छत्तीसगढ़ प्रदेश अग्रवाल सम्मेलन में सलाहकार की हैसियत से भी काम किया, करवाया। पदों को लेकर उनका अपना दृष्टिकोण भी उनकी खुली दृष्टि को बयान करता था जैसे कि प्रायः कहते थे कि "अध्यक्ष जैसे पद उनकी नजर में सिर्फ नाम के लिए होते हैं, वरना काम तो सभी को करना पड़ता है। उनकी लगन और क्षमता ने उन्हें और भी संस्थाओं, संस्थानों से जोड़ा। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय , रायपुर ने उन्हें 1991 में कार्यकारिणी के रूप में भी गौरवान्वित किया।

उनके जीवन का लंबा समय समाज के साथ गुजरा। लेकिन जैसे कल की बात हो। आँखों के सामने वह बीता दौर रह-रह कर घूमने लगता है। कैसे एक-एक ईंट जोड़कर समाज को मजबूत करने की कोशिश उन्होंने की थी। संगठन जैसा आधार उस समय विकसित नहीं था, लेकिन नजरें लक्ष्य पर थीं और पीछे हटना या परिस्थितियों से हार जाना मंजूर नहीं रहा। खुली आँखों से सपने देखें जो पूरे होते गये। इसे उनकी कार्यशैली ही कहें कि प्रतिष्ठा और सम्मान भी निरंतर पाया।

तत्कालीन उप राष्ट्रपति भैरो सिंह शेखावत, हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला और गुजरात के राज्यपाल से भी सम्मानित हुए। बतौर गौ-सेवक छत्तीसगढ़ राज्य ने भी उन्हें (राज्य अलंकरण) सम्मानित किया। उन्होंने अपने लम्बे अनुशासित जीवन के कुछ मूल मंत्र बना रखे थे। उस दौर में छोटे-मोटे मतभेद तो होते ही थे बावजूद मतभेदों को मनभेद नहीं बनने दिया और विरोधियों के प्रति भी स्नेह भाव रखा। वास्तविक अर्थों में वे विशाल कुटुम्ब छोड़ गए हैं। सभी संतानें भी सफल सामाजिक, व्यवसायिक जीवन में भी व्यस्त हैं। जीवन में अच्छा आहार, अच्छा ज्ञान, अच्छी संगत मिले तो नौजवानों से बेहतर नतीजा प्राप्त किया जा सकता है। इस ध्येय वाक्य के साथ अपने समस्त जीवनकाल में पथ प्रदर्शक की हैसियत से ऊर्जा देते रहे।

धूप-छांव से भरी हुई इस खूबसूरत, लेकिन (उन्हीं के शब्दों को दोहराएं तो) "श्रम से भरी हुई अपनी इस गहरी यात्रा को जब भी पीछे मुड़कर देखता था तो संतोष का यही धन मुझे अपनी जमा पूंजी नजर आता रहा।"

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद की 10वीं बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को नई दिल्ली के भारतमंडपम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद की दसवीं बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री शर्मा ने बैठक में विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से चर्चा की और प्रदेश में जल और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार से अधिक सहयोग का भी अनुरोध किया।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार विकसित राजस्थान का लक्ष्य हासिल करने के लिए हर पहलू पर तेजी से काम कर रही है। इसी दिशा में आर्थिक समृद्धि, सतत् विकास और समावेशी प्रगति को केन्द्र में रखते हुए नीति आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 'विकसित राजस्थान 2047' विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। उन्होंने रामजल सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते को मूर्त रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये जल परियोजनाएं विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर से देश को विश्व में मिला सम्मान-

मुख्यमंत्री शर्मा ने अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ सशक्त एवं साहसी रूख दिखाकर देश को वैश्विक मंच पर जो सम्मान दिलाया है उसके लिए मैं उनका आभार एवं धन्यवाद प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व से हमें गहरी प्रेरणा मिली है तथा राज्य स्तर पर हम राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी सभी पहलों को पूरा समर्थन देने के लिए और भी अधिक दृढ़ संकल्पित हुए हैं। शर्मा ने कहा कि दो दिन पहले 22 मई को प्रधानमंत्री जी के सीमावर्ती बीकानेर जिले में संबोधन के समय जनसाधारण में जो अद्त उत्साह एवं राष्ट्रभक्ति का जज्बा देखने को मिला वैसा भावुक दृश्य मैंने अपने जीवन में कभी नहीं देखा। ये जनता का प्रधानमंत्री के प्रति अटूट विश्वास दर्शाता है।

राइजिंग राजस्थान समिट से मिली निवेश को नई उड़ान-

शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रदेश में निवेश बहुत जरूरी है। इसके लिए हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले ही साल में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का सफल आयोजन कर 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं तथा इन प्रस्तावों में से सवा तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर प्रारम्भ हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने एक जिला एक उत्पाद नीति 2024, एमएसएमई पॉलिसी 2024, निर्यात प्रोत्साहन नीति 2024, एकीकृत क्लस्टर विकास योजना, टेक्सटाइल एवं अपैरल पॉलिसी 2025, लॉजिस्टिक पॉलिसी 2025, डाटा सेंटर पॉलिसी 2025 को तैयार करके राजस्थान में समावेशी विकास और रोजगार के अवसर सृजन करने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस आधारित इंडस्ट्रीयल पॉलिसी शीघ्र जारी की जाएगी। इस नीति के माध्यम से ग्रीन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए रिसर्च और डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही, ट्रेडिंग सेक्टर के विकास और संवर्धन के लिए राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में 15 औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हेतु 2000 करोड रुपए से अधिक के कार्य प्रारंभ किए गए हैं तथा 20 नए औद्योगिक क्षेत्र भूखंड आवंटन हेतु खोले गए हैं जिससे राज्य के औद्योगिक विकास एवं विकास दर को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकेगा।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान अपनी ऐतिहासिक विरासत एवं स्थापत्य समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली इतिहास और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व विख्यात है। पर्यटन का राजस्थान की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है इसलिए पर्यटन विकास को गति देने के लिए नवीन पर्यटन नीति शीघ्र जारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के युवाओं को स्टार्टअप स्थापित करने और रोजगार प्रदाता बनने हेतु प्रोत्साहन देने के लिए अटल इन्टरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम प्रारंभ किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में समयबद्ध रूप से भर्ती परीक्षा आयोजित करवाकर 67 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई है तथा 1 लाख 87 हजार पदों हेतु प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है।

सरकारी विद्यालय के कला वर्ग में ब्लॉक टॉपर मनीषा यादव का किया सम्मान

-सम्मान से बढ़ता है प्रतिभाओं का हौसला - शर्मा

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। ग्राम लोचूकाबास स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रतिभाओं का सम्मान समारोह प्रधानाचार्य मनोज शर्मा के सानिध्य में हुआ। इस दौरान विद्यालय स्टाफ ने प्रतिभाओं के घर जाकर उन्हें अभिभावकों सहित माला एवम् साफा पहनाकर, मिठाई खिलाकर उनके सुखद भविष्य की कामना की। सरकारी विद्यालय की कला वर्ग की ब्लॉक टॉपर मनीषा यादव पुत्री सीताराम यादव 97.2% , ब्लॉक सेकेंड टॉपर मनीषा यादव पुत्री रामचंद्र यादव 96 प्रतिशत, आरती यादव 94.4 %, विकास यादव 94.4 %, अर्चना वर्मा 93.6 प्रतिशत, टीना यादव 92.6प्रतिशत, साक्षी यादव 92.4 प्रतिशत, किस्मत यादव 92 प्रतिशत सहित अन्य विद्यार्थियों का सम्मान किया। विद्यालय के कला वर्ग के कुल 14 विद्यार्थियों में से सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं। इस मौके पर प्रधानाचार्य मनोज शर्मा व्याख्याता रोहिताश्व डूडी, राहुल शर्मा, रामकरण ढबास, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी हरलाल सिंह, शंकर लाल यादव, भवानी शंकर कौशिक, बाबूलाल बुनकर, विमल कुमार शर्मा, मुकेश यादव सहित अभिभावक मौजूद रहे।

फार्मासिस्टो को हटाने से फैली सांगानेर सैटेलाइट हॉस्पिटल में अव्यवस्था

सादीक हिंदुस्तानी

सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के लिए कई वर्षों से सेवा देते आ रहे फार्मासिस्टों को तुरंत प्रभाव से बेदखल कर घर बिठा दिया गया। इस कारण सैटेलाइट अस्पताल सांगानेर में दवा वितरण में अफरा तफरी मच गई। ऊपर से चार घंटे तक लाइट का जाना और सिर्फ दो फार्मासिस्टों से दवाई वितरण करवाना मरीजों के लिए बहुत बड़ी मुसीबत बन रही थी। ऐसी भीषण गर्मी में मरीजों का लाइन में लगना डॉक्टर का अंधेरे में मरीज को देखना बड़ी टेढ़ी खीर हो गई थी। लेकिन इंचार्ज डॉ. अनुराग जैन व्यवस्था बनाने में पूरी कोशिश में लगे रहे। दो फार्मासिस्टों को पुनः काम पर बुला लिया गया है। जिससे दवाई वितरण में आसानी हुई।और अफरा तफरी का माहौल समाप्त हो गया। जिसमें सांगानेर भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील शर्मा का विशेष योगदान रहा। एक बात स्पष्ट है कि फार्मासिस्टों एवं नर्सिंग कर्मियों में रोष उत्पन्न दिखाई दे रहा था। सरकार को विशेस ध्यान देकर समस्या का शीघ्र हल करना चाहिए।

रात्रि चौपाल में हुआ आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण

- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर सांगानेर के अजयराजपुरा में हुआ आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिले की सभी तहसीलों में रात्रि चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सांगानेर के अजयराजपुरा में रात्रि चौपाल का आयोजन कर आमजन की परिवेदनाओं का प्रभावी एवं त्वरित निरस्तारण किया गया। इस दौरान 100 से अधिक धारा- 136 के तहत शुद्धि प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर प्रथम श्रीमती विनीता सिंह की अध्यक्षता में आयोजित रात्रि चौपाल कार्यक्रम में उपखण्ड अधिकारी सांगानेर हिम्मत सिंह एवं पंचायती राज, विधुत विभाग, पीएचईडी, पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। रात्रि चौपाल में ग्राम पंचायत अजयराजपुरा के अलावा आस-पास के लगभग 10-12 गांव चिरोटा, जगन्नाथपुरा, भांकरोटा खुर्द इत्यादि के लगभग 250 से ज्यादा लोगों ने भाग लेकर अपनी पेयजल, विद्त समस्या व अन्य समस्या बताई। पेयजल, विद्त अन्य समस्याओं को संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर तुंरत समाधान करवाया गया।

रात्रि चौपाल में मूल समस्या रिकॉर्ड शुद्धि को लेकर सामने आई जिसे लेकर काफी वर्षों से ग्रामीण लोग परेशान होते चले आ रहे थे। उक्त समस्याओं को मौके पर उपखण्ड अधिकारी हिम्मत सिंह जी द्वारा सुना गया एवं 100 से अधिक धारा- 136 के तहत शुद्धि प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

ग्राम अजयराजपुरा से आये काश्तकार गोपाल पुत्र मोहरिया का जमाबंदी में नाम गलत नाम जिसे गोपाल पुत्र मोहरू कर तुरंत राहत प्रदान की साथ ही ग्राम जगन्नाथपुर के काश्तकार का नाम जमाबंदी में नाम सूरज करण पुत्र नाथू से सूरजमल पुत्र नाथूराम किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों में रात्रि चौपाल को लेकर काफी हर्ष की लहर थी।

रात्रि चौपाल में उपखण्ड अधिकारी हिम्मत सिंह के साथ उप तहसीलदार बगरू, पटवारी, गिरदावर व अन्य पटवारीगण की टीम उपस्थित रही। उक्त रात्रि चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण की श्रीमती विनीता सिंह (एडीएम प्रथम) द्वारा उपखण्ड अधिकारी व उनकी टीम की सराहना की।

एसएमएस में गलत ग्रुप का ब्लड चढ़ाने का प्रकरण

- चिकित्सा मंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक लेकर की मामले की गहन समीक्षा

-जांच में दोषी अधिकारीकृकार्मिकों पर होगी सख्त कार्रवाई

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सवाई मानसिंह अस्पताल में गर्भवती महिला को गलत ग्रुप का ब्लड चढ़ाने के मामले की जांच 5 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति करेगी। यह समिति प्रकरण में सभी पक्षो की निष्पक्षता पूर्वक जांच कर तीन दिवस में अपनी रिपोर्ट देगी। जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं कार्मिकों पर राज्य सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने शनिवार को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में एक उच्च स्तरीय बैठक में पूरे प्रकरण की समीक्षा करते हुए मामले में निष्पक्ष एवं पारदर्शितापूर्वक जांच के लिए उच्च स्तरीय कमेटी गठित करने के निर्देश दिए।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि टोंक जिले के निवाई से उपचार के लिए आई गर्भवती महिला 9 मई से सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती थी। उसका हीमोग्लोबिन स्तर कम होने के साथ ही ऑक्सीजन लेवल भी कम था। साथ ही, विभिन्न बीमारियों से ग्रसित होने के कारण उसकी स्थिति गंभीर थी। गंभीर स्थितियों के चलते वेंटीलेटर पर उसकी डिलीवरी करवाई गई थी। इस दौरान ब्लड ट्रांसफ्यूजन में उसे गलत ग्रुप का ब्लड चढ़ाने की बात सामने आई है। अस्पताल प्रशासन की ओर से गठित पांच सदस्यीय जांच कमेटी ने भी प्रथम दृष्टया गलत ग्रुप का ब्लड चढ़ने की बात स्वीकार की है।

खींवसर ने कहा कि अस्पताल द्वारा गठित कमेटी की जांच से पूरी तरह संतुष्ट नहीं होते हुए पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय कमेटी गठित की गई है। यह कमेटी चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव मुकेश मीणा की अध्यक्षता में गठित की गई है। कमेटी में सवाई मानसिंह अस्पताल के पूर्व अधीक्षक डॉ. नरपत सिंह शेखावत, पूर्व विभागाध्यक्ष मेडिसिन डॉ. सुधीर मेहता, वर्तमान अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी एवं राजमेस की उप निदेशक डॉ. वंदना शर्मा सदस्य होंगे। यह कमेटी प्रकरण में गहन जांच कर तीन दिवस में अपनी रिपोर्ट देगी। रिपोर्ट के तथ्यों के आधार पर दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध विभाग सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि बैठक में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से संबद्ध सभी अस्पतालो के अधीक्षकों को भी बुलाया गया था। सभी को निर्देश दिए गए हैं कि वे अस्पताल में उपचार के दौरान एसओपी की प्रभावी पालना सुनिश्चित करें। बैठक में निर्देश दिए गए हैं कि सभी अस्पतालों में आईसीयू, ऑपरेशन थियेटर सहित क्रिटिकल केयर वार्ड में प्रशिक्षित एवं अनुभवी स्टाफ नियोजित किया जाए। साथ ही, चिकित्सकों, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ का समयकृसमय पर प्रशिक्षण करवाया जाए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो।

बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान, संयुक्त सचिव मुकेश मीणा, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अतिरिक्त प्रधानाचार्य डॉ. राकेश जैन, अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ एवं संबद्ध अस्पतालों के अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आठ जिलों में लगेंगे 125 पशु चिकित्सा अधिकारी

-500 पशुधन निरीक्षकों की भी होगी नियुक्ति

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पशुपालन विभाग जल्द ही प्रदेश के आठ जिलों में अस्थाई आधार पर 125 पशु चिकित्सा अधिकारी तथा 500 पशुधन निरीक्षकों की भर्ती करेगा। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि इन पशु चिकित्सा अधिकारियों एवं पशुधन निरीक्षकों की भर्ती आवश्यक अस्थाई आधार पर की जाएगी। उन्होंने बताया कि जोधपुर, फलौदी, बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, पाली, सिरोही एवं जालौर जिले में इन पशु चिकित्सा अधिकारी व पशुधन निरीक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। यह नियुक्ति तीन माह अथवा राजस्थान लोक सेवा आयोग से चयनित अभ्यर्थी के उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, के लिए की जाएगी। पशु चिकित्सा अधिकारी को 56100 रुपए व पशुधन निरीक्षक को 26300 रुपए प्रतिमाह फिक्स वेतन दिया जाएगा।

पशु चिकित्सा अधिकारी के पद के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को 31 मई, 2025 को टोंक रोड, जयपुर स्थित पशुधन परिसर में प्रातः 10 बजे से सांय 4 बजे तक आवेदन पत्र तथा अपने मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा। जबकि पशुधन निरीक्षक के पद के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को संबंधित जिले के पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेषक कार्यालय में 31 मई 2025 को प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक आवेदन पत्र और अपने मूल दस्तावेज के साथ उपस्थित होना होगा। बालोतरा और फलौदी जिले के लिए आवेदन क्रमशः जिला संयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग, बाड़मेर एवं जोधपुर कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा।

रविवार को होगा पूर्व सैनिकों की तिरंगा रैली का आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ऑपरेशन सिंदूर के उपलक्ष्य में सैनिक कल्याण विभाग की ओर से जयपुर में पूर्व सैनिकों की तिरंगा रैली का आयोजन किया जाएगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल जयदेव सिंह राठौड़ ने बताया कि रविवार को शाम 4 बजे से क्वींस रोड स्थित विजय द्वार से चित्रकूट तक आयोजित होने वाली तिरंगा रैली में हजारों की संख्या में गौरव सैनानी, पूर्व सैनिक एवं उनके परिजन शिरकत करेंगे।

प्रमुख शासन सचिव ने की स्वास्थ्य सुविधाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा

जयपुर, (रॉयल पत्रिक)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रदेशभर में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों को पब्लिक एवं पेशेंट फ्रेण्डली बनाया जाएगा तथा इनकी और अधिक प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित की जाएगी। लू-तापघात, जांच, दवा एवं उपचार सेवाओं की गुणवत्तापूर्ण उपलब्धता, उपकरणों की क्रियाशीलता पर विभाग का विशेष रूप से फोकस रहेगा। राजधानी से लेकर गांव-ढाणी तक स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही सामने आई तो जिम्मेदारी तय की जाएगी और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने शनिवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का ध्येय है कि जन-जन को स्वास्थ्य सुविधाओं की प्रदायगी बिना किसी कठिनाई के हो और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिलीं। इसे ध्यान में रखते हुए ग्रास रूट लेवल तक प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ काम करें। सेवाओं की प्रदायगी में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लू-तापघात प्रबंधन को दें सर्वोच्च प्राथमिकता-

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि राज्य स्तरीय अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि चिकित्सा संस्थानों में जांच, दवा एवं उपचार सुविधाओं में किसी तरह की कमी नहीं रहे। लू-तापघात की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए पुख्ता इंतजाम किए जाएं। दवाओं की उपलब्धता, ऑक्सीजन प्लांट्स और उपकरणों की क्रियाशीलता का विशेष ध्यान रखा जाए। दवाओं की आपूर्ति में किसी तरह की बाधा हो तो तत्काल उच्च स्तर पर अवगत कराएं। नियमानुसार फण्ड की उपलब्धता के अनुसार स्थानीय स्तर पर दवाओं की खरीद की जाए। उपकरणों के खराब होने की स्थिति में तत्काल प्रभाव से मेंटीनेंस कराएं या वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से जांच सुविधा उपलब्ध करवाई जाए।

जांच मशीनें अक्रियाशील होने की शिकायत पर संस्थान प्रभारी होंगे जिम्मेदार

श्रीमती राठौड़ ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान सहित प्रदेश के विभिन्न जिले आगामी कुछ समय लू-तापघात की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है। इन जिलों में हीटवेव प्रबंधन से जुड़ी गतिविधियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने एक-एक जिले से उपकरणों की क्रियाशीलता, दवाओं एवं स्टाफ की उपलब्धता के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि जांच मशीनें लंबे समय तक खराब रहने और इसके कारण मरीजों को परेशानी होने की शिकायतें आईं तो संबंधित चिकित्सा संस्थान प्रभारी की जिम्मेदारी तय होगी। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर से टीमें भी प्रदेशभर में लगातार निगरानी रखें और दैनिक रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। जांच, उपचार एवं दवाओं को लेकर किसी तरह की शिकायत नहीं आए। चिकित्सा संस्थानों में स्टाफ की कमी हो तो मुख्यालय पर अवगत कराएं। साथ ही, नियमानुसार संविदा आधार पर सेवाएं ली जाएं।

निरामय राजस्थान को सफल बनाएं, एनसीडी स्क्रीनिंग के शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करें

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि राज्य सरकार ने आमजन को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने एवं गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए निरामय राजस्थान अभियान संचालित किया है। नियमित रूप से गतिविधियां आयोजित कर इस अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि सभी सीएमएचओ यह सुनिश्चित करें कि 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की एनसीडी स्क्रीनिंग के निर्धारित लक्ष्य हासिल हों।

टीबी मुक्त भारत अभियान की गतिविधियों को गति दें-

श्रीमती राठौड़ ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत राजस्थान ने विगत दिनों में बेहतर प्रदर्शन किया है। भविष्य में भी प्रतिबद्धता के साथ काम करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करें। उन्होंने कहा कि जिलों में सीएमएचओ इस कार्यक्रम पर फोकस करते हुए टीबी मुक्त भारत के तहत होने वाली गतिविधियों को मिशन मोड में संचालित करें। नॉट मशीन की रेगुलर मॉनिटरिंग करने के साथ ही इन जांच मशीनों को समुचित उपयोग किया जाए। अधिक से अधिक ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त बनाया जाए।

केबिनेट मंत्री कुमावत ने किया जनहित कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने गत शुक्रवार को पाली जिला स्थित सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया।

मंत्री कुमावत ने विधायक कोष से स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत खिंवादी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में टिन शेड, बांकली में कबीर गौशाला रोड व ट्यूबवेल का शिलान्यास किया। इसके साथ ही जल जीवन मिशन के तहत सलोदरिया, खिंवादी और बांकली में उच्च जलाशय टंकियों के निर्माण कार्यों की शुरुआत की गई। विशेष रूप से, जवाई बांध आधारित पेयजल परियोजना (क्लस्टर-1) के अंतर्गत 75,000 लीटर क्षमता वाली जलाशय टंकी का भूमि पूजन भी संपन्न हुआ।

विकास कार्यों का लोकार्पण-

मंत्री कुमावत ने 15वें वित्त आयोग योजना के अंतर्गत स्वीकृत सीसी ब्लॉक मय नाली निर्माण का लोकार्पण किया। खिंवादी में हाईमास्ट लाइट का उद्घाटन भी किया गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में रात्रिकालीन रोशनी की सुविधा सुनिश्चित हो सकेगी।

इसके अतिरिक्त, मोरडु से बांकली वाया कबीर गौशाला तक तीन किलोमीटर लंबी मिसिंग लिंक सड़क का उद्घाटन किया गया। यह सड़क मुख्यमंत्री बजट घोषणा वर्ष 2023-24 के तहत 66 लाख रुपये की लागत से निर्मित हुई है। डीएमएफटी योजना के अंतर्गत बांकली गांव के आबादी क्षेत्र में 8.70 लाख रुपये से 170 मीटर लंबी सीसी सड़क का कार्य का लोकार्पण किया।

भूमि पूजन एवं निरीक्षण-

मंत्री कुमावत ने खिंवादी गांव में सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर कार्य प्रारंभ करवाया। साथ ही, बांकली स्थित श्रीमती देवीबाई पृथ्वीराज चीमना राजकीय पशु चिकित्सालय का निरीक्षण कर भवन की मरम्मत कार्य शीघ्र आरंभ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है और विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इसी के साथ बिजली सड़क पशुपालन चिकित्सा और अन्य विभागों से संबंधित किसी भी क्षेत्र में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आएगी।

इस अवसर पर एसडीएम कालूराम, बीडीओ प्रमोद दवे,पंचायत समिति प्रधान उर्मिला कंवर, जिला परिषद सदस्य तनुश्री चौहान, समिति सदस्य गैरी देवी देवासी, एक्सईएन बिजली विभाग

अशोक मीणा, बांकली हड़मत सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष शिवराज सिंह, प्रशासक खिवांदी प्रवीण मीणा एवं अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

डॉ. वैभव चांवला की संदेहास्पद मृत्यु को लेकर डॉ. क्टरों ने पुलिस अधीक्षक व एडीएम को ज्ञापन देकर निष्पक्ष जांच की मांग की

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। अखिल राजस्थान सेवारत चिकित्स संघ जिला बारां की ओर से अध्यक्ष डॉ. . देवीशंकर नागर व डॉ. अनुराग खींची की अगुवाई में स्व. डॉ. वैभव चांवला की संदेहास्पद मृत्यु की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच करवाने की मांग को लेकर शनिवार को जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया है।

ज्ञापन में बताया कि 18 मई को स्व. वैभव चांवला चिकित्सा अधिकारी सीएचसी कोयला का शव पार्वती नदी कोटडीसूंडा गांव में मिला। इस प्रकरण को प्रशासन द्वारा प्रथम दृष्टिया सुसाइड माना जा रहा है, जबकि उनकी हत्या होने के पर्याप्त सबूत मौजूद है।

ज्ञापन में बताया कि कुछ लोग उन्हें मोटरसाइकिल पर बीच में बैठाकर पार्वती नदी पर ले जाते हुए सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दे रहे हैं, परंतु उन लोगों द्वारा यह बात दबाई गई और अब पकडे जाने पर पुलिस को गुमराह करते हुए सुसाइड व डूब कर मर जाने वाली बात बताई जा रही है। स्व. डॉ. वैभव चांवला एक अच्छे तैराक थे तो यह बात केवल कहानी मात्र लगती है और यदि स्व. डॉ. चांवला उनके सामने डूब ही रहे थे तो उनके द्वारा उनकी मदद क्यों नहीं की गई। इन लोगों द्वारा पुलिस सहायता प्राप्त करने का कोई प्रयास नहीं किया गया। उक्त व्यक्ति डॉ. चावला से रंजिश भी रखते थे। चिकित्सक संघ ने स्व. डॉ. वैभव चांवला की हुई संदेहास्पद मृत्यु के संबंध में निष्पक्ष एवं त्वरित जांच करवाए जाने व दोषियों को गिरफ्तार किए जाने की मांग की है। अगर निष्पक्ष व त्वरित कार्रवाई नहीं की गई तो इस प्रकरण में आगे आंदोलन की चेतावनी दी गई। ज्ञापन देने वालों में महेंद्र नागर, संजय मीणा, पवन मीणा, हेमंत बराला, रोहित मीणा, प्रवीण गुर्जर, डा. जितेंद्र आदि मौजूद रहे।

दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में पहुँचा प्रशासन ग्राम पंचायत सनवाड़ा में आयोजित किया रात्रि चौपाल

- मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जन सेवा और जन संवाद की अनूठी पहल

बारां, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप रात्रि चौपाल के माध्यम से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंवाद और जनसुनवाई की जा रही है। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने शुक्रवार रात को बारां जिले की सुदूरवर्ती ग्राम पंचायत सनवाड़ा (ब्लॉक शाहाबाद) में रात्रि चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों से संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याओं को सुनकर त्वरित समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। जिला कलक्टर ने शुक्रवार रात को जिला मुख्यालय से 130 किलोमीटर दूर स्थित अंतिम ग्राम पंचायत सनवाड़ा में रात्रि चौपाल की और वहीं रात्रि विश्राम भी किया। शनिवार प्रातः उन्होंने पुनः क्षेत्र में विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को ज़मीनी स्तर पर विकास कार्यों का जायजा लेकर निर्देश दिए।

इस रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों को बेझिझक जिला कलक्टर के समक्ष रखा। कुल 51 से अधिक परिवाद प्राप्त हुए, जिनमें से पेयजल संकट, विद्त आपूर्ति में अनियमितता, सड़क मरम्मत, राशन कार्ड, खाद्य सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, भूमिहीनों को पट्टे आवंटन, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अनेक मुद्दे प्रमुख रहे।

जिला कलक्टर ने कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया, जबकि शेष प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन की संवेदनशीलता और तत्परता की सराहना की।

विशेष योग्यजनों को मिला सम्मान और प्रमाण

रात्रि चौपाल में एक विशेष पहल के तहत गांव मढ़ी सामर सिंह निवासी रजनी और गांव पाटन निवासी राहुल को मौके पर ही दिव्यांग प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जिससे उन्हें भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ सरलता से प्राप्त हो सकेगा।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी, एडीएम जबर सिंह, सीईओ जिला परिषद राजवीर सिंह चौधरी, एसडीएम मुकेश मीणा, डीएफओ अनिल यादव, सीएमएचओ डॉ. संजीव सक्सेना, पीएचईडी के एसई राजवीर सिंह, बिजली विभाग के एसई एन एम बिलौटिया, सहायक निदेशक सतीश परिहार, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गेंदा लाल, संयुक्त निदेशक हरिबल्लभ मीणा एवं सहायक निदेशक दुर्गा शंकर मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

रात्रि चौपाल से पहले और बाद में निरीक्षण कर जायजा लिया

रात्रि चौपाल से पूर्व जिला कलक्टर ने सीताबाड़ी मेले की तैयारियों की समीक्षा बैठक ली और मेला स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वच्छता, यातायात प्रबंधन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षा व्यवस्था की पुख्ता योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

रात्रि विश्राम के बाद प्रातःकाल जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के अंतर्गत निर्मित पक्का चेकडैम का निरीक्षण किया और जल संरक्षण की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की।

जिला कलक्टर ने वन विभाग द्वारा किए जा रहे पौधारोपण और संरक्षण कार्यों का भी निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने शाहाबाद-समरानिया क्षेत्र में नरेगा के तहत चल रहे कार्यों की गुणवत्ता, उपस्थिति एवं भुगतान प्रक्रिया की भी समीक्षा की।

जल जीवन मिशन के तहत पेयजल प्रगति का जायजा

जिला कलक्टर ने ग्राम निवाड़ी में जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने और घरेलू कनेक्शन देने की प्रगति का भी निरीक्षण किया और संबंधित अभियंताओं को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने एवं समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मंत्री कुमावत ने किया जनहित कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने गत शुक्रवार को सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया।

मंत्री कुमावत ने विधायक कोष से स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत खिंवादी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में टिन शेड, बांकली में कबीर गौशाला रोड व ट्यूबवेल का शिलान्यास किया। इसके साथ ही जल जीवन मिशन के तहत सलोदरिया, खिंवादी और बांकली में उच्च जलाशय टंकियों के निर्माण कार्यों की शुरुआत की गई। विशेष रूप से, जवाई बांध आधारित पेयजल परियोजना (क्लस्टर-1) के अंतर्गत 75,000 लीटर क्षमता वाली जलाशय टंकी का भूमि पूजन भी संपन्न हुआ।

विकास कार्यों का लोकार्पण

मंत्री कुमावत ने 15वें वित्त आयोग योजना के अंतर्गत स्वीकृत सीसी ब्लॉक मय नाली निर्माण का लोकार्पण किया। खिंवादी में हाईमास्ट लाइट का उद्‌घाटन भी किया गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में रात्रिकालीन रोशनी की सुविधा सुनिश्चित हो सकेगी।

इसके अतिरिक्त, मोरडु से बांकली वाया कबीर गौशाला तक तीन किलोमीटर लंबी मिसिंग लिंक सड़क का उद्‌घाटन किया गया। यह सड़क मुख्यमंत्री बजट घोषणा वर्ष 2023-24 के तहत 66 लाख रुपये की लागत से निर्मित हुई है। डीएमएफटी योजना के अंतर्गत बांकली गांव के आबादी क्षेत्र में 8.70 लाख रुपये से 170 मीटर लंबी सीसी सड़क का कार्य का लोकार्पण किया

भूमि पूजन एवं निरीक्षण

मंत्री ने खिंवादी गांव में सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर कार्य प्रारंभ करवाया। साथ ही, बांकली स्थित श्रीमती देवीबाई पृथ्वीराज चीमना राजकीय पशु चिकित्सालय का निरीक्षण कर भवन की मरम्मत कार्य शीघ्र आरंभ करने के निर्देश दिए।

विकास कार्यों के लिए प्रतिबद्ध सरकार कुमावत

मंत्री कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार विकास कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है और विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इसी के साथ बिजली सड़क पशुपालन चिकित्सा और अन्य विभागों से संबंधित किसी भी क्षेत्र में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आएगी।

इस अवसर पर एसडीएम कालूराम, बीडीओ प्रमोद दवे,पंचायत समिति प्रधान उर्मिला कंवर, जिला परिषद सदस्य तनुश्री चौहान, समिति सदस्य गैरी देवी देवासी, एक्सईएन बिजली विभाग अशोक मीणा, बांकली हड़मत सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष शिवराज सिंह, प्रशासक खिवांदी प्रवीण मीणा,एवं अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

'कैच-द-रेन ' अभियान के तहत री- चार्जेबल बोरवेल का निर्माण शुरू

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से महत्वाकांक्षी कैच-द-रेन-2025 अभियान के तहत वर्षा जल संरक्षण के लिए री-चार्जेबल बोरवेल तकनीक द्वारा झुंझुनूं प्रगति संस्थान के द्वारा 100 बोरवेल बनाए जाऐंगे। यह अभियान जल संरक्षण और प्रभावी जल प्रबंधन के महत्व को उजागर करता है। इसके लॉन्च कार्यक्रम में देश के सभी कोनों से दस हजार से अधिक नागरिकों और जल क्षेत्र के अनुभवी पेशेवर व्यक्तियों द्वारा भागीदारी दी गई। इसका शुभारंभ झुंझुनूं एकेडमी विज्डम सिटी प्रांगण से हुआ जिसमें जल शक्ति अभियान कैच-द-रेन -2025 के तहत बोरवेल निर्माण कार्य प्रारम्भ हो चुका है।

जानकारी देते हुए झुंझुनूं प्रगति संस्थान के अध्यक्ष डॉ. दिलीप मोदी ने बताया कि इसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए झुंझुनूं एकेडमी विज्डम सिटी ने आज झुंझुनूं प्रगति संस्थान के साथ कैच-द-रेन अभियान की सक्रिय रूप से शुरुआत की है। स्कूल कैम्पस में एकत्रित वर्षा जल को संग्रहित करने के लिए स्कूल परिसर में एक बोरवेल खोदा गया जिससे स्थानीय जल संसाधनों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह तकनीक विशेष रूप से उन क्षेत्रों में उपयोगी है जहाँ भूजल स्तर गिर रहा है या सूखे की समस्या है। उन क्षेत्रों में वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए री-चार्जेबल बोरवेल तकनीक एक प्रभावी तरीका है। इसमें वर्षा जल को बोरवेल के माध्यम से जमीन में रिसने दिया जाता है, जिससे भूजल स्तर बढ़ता है।

संस्थान के सचिव एडवोकेट अशोक शर्मा ने इस अभियान कि प्रशंसा करते हुए कहा कि री-चार्जेबल बोरवेल तकनीक एक सरल और प्रभावी तरीका है, वर्षा जल को संरक्षित करने और भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए. यह तकनीक विशेष रूप से उपयोगी है। बोरवेल को वाटर रिचार्ज करने का अर्थ है बोरवेल के आसपास पानी के स्त्रोतों से पानी को भूमिगत करके बोरवेल के पानी को फिर से भरना। ऐसा करने के कई तरीके हैं, जैसे कि वर्षा जल संचयन, रिचार्ज पिट्स, और बोरवेल के पास रिचार्जिंग गड्ढे खोदना। ऐसे कार्यों से हम आने वाली पीढ़ी के लिए जल संरक्षण कर सकते हैं तथा पर्यावरण को हरा-भरा बना सकते हैं।

संस्थान के उपाध्यक्ष कुरड़ाराम धींवा ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह तकनीक भूजल स्तर को बढ़ाने में मदद करती है, सूखे की स्थिति से निपटने में मदद करती है तथा वर्षा जल का बेहतर उपयोग भी सुनिश्चित करती है। आगे आने वाले मानसून में इन बोरवेल्स में वर्षा जल एकत्र होगा जिससे भूमिगत जल स्तर निश्चित रूप से बढ़ेगा। झुंझुनूं प्रगति संस्थान कैच-द-रेन -2025 अभियान सफल बनाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। मैनेजिंग डायरेक्टर नीरजा मोदी, स्कूल निदेशक आकाश मोदी, गरिमा मोदी, प्राचार्य डॉ. रवि शंकर शर्मा, वाइस प्रिंसिपल श्रीमती सरोज सिंह, हैडमिस्ट्रैस श्रीमती उमा शर्मा, एडमिशन डायरेक्टर श्याम सुन्दर शर्मा, प्रशासक कमलेश कुलहरि तथा स्टाफ सदस्यों ने जल शक्ति अभियान कैच-द-रेन -2025 का स्वागत किया।

नगरपरिषद ने चलाया निराश्रित पशुओं को पकड़ने का अभियान

-खुले में घूमते 113 पशु किए जब्त

हनुमानगढ़,(रॉयल पत्रिका)। नगरपरिषद हनुमानगढ़ की टीम द्वारा इस सप्ताह टाउन एवं जंक्शन क्षेत्र में निराश्रित एवं दुधारू पशुओं को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान उन पशुओं के विरुद्ध था जो आम सड़कों पर खुले में घूमते हुए आवागमन में बाधा उत्पन्न कर रहे थे।

अभियान के तहत 23 व 24 मई को टाउन क्षेत्र के भट्टा बस्ती, अम्बेडकर चौक, सिविल लाइन, चुना फाटक एवं गांधी नगर इलाकों से 80 पशुओं को तथा जंक्शन बाजार क्षेत्र से 33 पशुओं को पकड़ा गया। इन सभी को नंदी शाला, बाजार क्षेत्र गौशाला एवं कैनाल कॉलोनी गौशाला में सुरक्षित रूप से अवरोधित किया गया।

इस दौरान स्वच्छता निरीक्षक श्रीमती रमनदीप कौर द्वारा आमजन को समझाइश की गई कि वे अपने पशुओं को खुले में छोड़ने के बजाय बाड़े में ही रखें। अभियान की कार्रवाई हल्का इंचार्ज विनोद कण्डा एवं बलवंत कुमार के सहयोग से संपन्न की गई।

नगरपरिषद हनुमानगढ़ ने पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं को सड़कों पर न छोड़ें। खुले में छोड़े गए पशुओं को जब्त कर लिया जाएगा एवं उनके विरुद्ध चालान की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, जब्ती एवं देखरेख से संबंधित समस्त हर्जे-खर्चे की जिम्मेदारी पशुपालक की होगी।

मंदरपुरा में समीक्षा बैठक और कर्मशाना में पेयजल स्टोरेज डेम का निरीक्षण

-पेयजल व्यवस्था सुधारने को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। पेयजल आपूर्ति, विद्त व्यवस्था और अन्य विकास कार्यों को लेकर शुक्रवार को जिला कलेक्टर ने नोहर के ग्राम पंचायत मंदरपुरा में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस मौके पर उन्होंने ग्रामीणों की ग्रीवेंस को भी सुना और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में नोहर के 11 ग्राम पंचायतों में पेयजल व्यवस्था पर चर्चा की गई। जिन गांवों के टेल एंड पर पानी नहीं पहुँच रहा, उन गांवों में तत्काल पेयजल आपूर्ति एवं वैकल्पिक टैंकर द्वारा पेयजल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके बाद कर्मशाना स्थित 1600 एमएल स्टोरेज डेम, 60 एमएलडी ट्रीटमेंट प्लांट, हैड़वर्क्स, पंपहाउस का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर कर्मशाना डेम के संबंधित चूरू एसई के उपस्थित नहीं रहने पर नोटिस जारी करने के आदेश दिए।

इस दौरान नोहर एडीएम श्रीमती संजू पारीक, एसडीएम पंकज गढ़वाल, पीएचईडी एसई विजय वर्मा और डिस्कॉम एसई रिछपाल चारण उपस्थित रहे।

गुणात्मक परिणाम प्रदान कर बच्चों को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनने की प्रेरणा देना हमारी पहली प्राथमिकता - कृष्णा स्कूल

मनोहरपुर ,(रॉयल पत्रिका)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा जारी कक्षा 12 वीं साइंस, आर्ट्स तथा कॉमर्स के परीक्षा परिणाम 2025 में हर वर्ष की भांति 'श्री कृष्ण विद्या मंदिर सीनियर सैकंडरी स्कूल मनोहरपुर ने एक बार फिर से सर्वोच्चता के मुकाम को हासिल करते हुए यह सिद्ध कर दिया है कि अगर लक्ष्य अंबर को छूने का हो तो नामुमकिन कुछ भी नहीं है। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा प्रतिभाओं का मिठाई खिलाकर, माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

निदेशक डॉ. राजेंद्र यादव ने बताया कि कोमल यादव 96.40, प्रिया कुमावत 96.20, सौम्या पारीक 96.20, किमिशा 95.40, चारु मिश्रा 95, अस्मित सैन 94.20, अमन गोरा 93.40, निकिता शर्मा 93.40, खुशबू यादव 93, किरण यादव 93, रीना यादव 93, निशा फामड़ा 92.80, तुषार गुप्ता 92.60, पायल यादव 92.40, किरण गुर्जर 92.20, वत्सल बेनीवाल 92.20, कोमल यादव 92, प्राजंलि यादव 92, काजल यादव 91.60, शुभम भारद्वाज 91.40, पिंकी यादव 91, हर्षिता शर्मा 90.20, मयंक चौधरी 90.20, शिवराज सिंह शेखावत 90.20, जतिन शर्मा 90, जीया सैन 90, खुशी यादव 90, लक्षिता मोहनपुरिया 90, निक्षिता यादव 90, नितेश यादव 90, पल्लवी प्रजापत 90 तथा विकल्प असवाल ने 90 प्रतिशत के साथ कुल 32 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त कर परिक्षेत्र को टॉप किया है। साथ ही 5 विद्यार्थीयों ने 95% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

राईन विकास समिति ने किया समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। जमीयतुल राईन विकास समिति,कोटा की जानिब से शुक्रवार 23 मई को राईन समाज के होनहार स्टूडेंट्स को उनके घर जाकर सम्मान किया गया।

समिति के प्रवक्ता मुजफ्फर राईन ने बताया कि आयशा राईन पुत्री मुदस्सिर ने सीबीएसई बोर्ड में 96 प्रतिशत अंक हासिल किए वही राजस्थान बोर्ड द्वारा

आयशा राईन पुत्री उस्मान ने 89 प्रतिशत, यसरा राईन पुत्री आफताब ने 88 प्रतिशत ,ज़ारिया राईन पुत्री परवेज़ ने 80 प्रतिशत अंक हासिल कर समाज का नाम रोशन किया।

समिति के प्रतिनिधियो ने होनहार विद्यार्थियों के घर पहुंचकर उनको माला पहनाकर होंसला अफजाई की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मुस्तेहसन राईन, उपाध्यक्ष मोहम्मद यूसुफ, कोषाध्यक्ष यूसुफ मोहम्मद, सरपरस्त मोहम्मद यूनुस, लियाकत राईन, जोनी राईन मौजूद रहे।

"खाटू श्यामजी के निज पुजारी इन्द्र सिंह चौहान का पाली में भव्य स्वागत, श्याम प्रेमियों में दिखा उत्साह"

पाली, (रॉयल पत्रिका)। खाटू श्यामजी के निज मंदिर के प्रतिष्ठित पुजारी एवं मंदिर कमेटी के ट्रस्टी इन्द्र सिंह चौहान के पाली आगमन पर श्याम भक्तों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। पाली श्याम सहारा परिवार द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

वे रणजीत सिंह और दातार सिंह के साथ रविप्रकाश लोहिया के पारिवारिक कार्यक्रम में भाग लेने पधारे थे। जब यह खबर श्याम प्रेमियों तक पहुँची तो बड़ी संख्या में भक्तजन पुजारी के स्वागत के लिए एकत्रित हो गए।

स्वागत कार्यक्रम में चेतन, अमित, देव चावड़ा, निशांत लोहिया, राजा बंजारा, भानुप्रताप सिंह, कपिल आइलानी, मनीष मेवाड़ा, पुनीत बागवानी, करन सिंह, श्रवण कुमार, मनीष चावड़ा, मानवेन्द्र सोकडा, नितेश कुमावत, मनन अरोड़ा और सूरज कुमार सहित कई श्याम प्रेमी उपस्थित रहे।

महिलाओ के सम्मान में सिंदूर यात्रा

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। आपरेशन सिंदूर के साथ नारी शक्ति के सम्मान में "सिंदूर यात्रा" निकाली जाएगी। जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि 25 मई को शाम 5 बजे सिंदूर यात्रा निकाली जाएगी यात्रा की जिला संयोजक मीरा सैनी के अनुसार यात्रा शाम 5 बजे मुख्य बाजार स्थित सिद्धि विनायक गणेश मंदिर से शुरू होकर अबेडकर सर्किल तक जाएगी। जिसमें नगर में एवं आसपास के गांवों में रहने वाली सभी महिलाओं को बुलाया गया है। सिंदूर यात्रा में सवाई माधोपुर के विधायक एवं राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा एवं भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर भी मौजूद रहेंगे।

श्योरानी में रात्रि चौपाल; जिला कलेक्टर ने सुनी 42 से अधिक परिवेदनाए

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। नोहर ब्लॉक की श्योराणी ग्राम पंचायत में शुक्रवार को आयोजित रात्रि चौपाल में एक विशेष दृश्य देखने को मिला, जब 12वीं कला वर्ग में 93.20 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा एकता ने जिला कलेक्टर काना राम से कहा— "मैं आईएएस बनना चाहती हूं, आपकी तरह।" इस प्रेरणादायक पल ने न केवल उपस्थित जनसमूह को भावुक किया, बल्कि छात्राओं में आत्मविश्वास और बढ़ाया।

दरअसल जिला कलेक्टर काना राम शुक्रवार को रात्रि चौपाल के लिए श्योराणी पहुंचे थे। चौपाल में उन्होंने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्योराणी के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस मौके पर एकता, समेस्ता, पुष्पा, अंकिता, अखिल और पूजा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए थे।

जिला कलेक्टर ने होनहार छात्राओं के अभिभावकों को बच्चियों की पढ़ाई जारी रखने हेतु प्रेरित किया। रात्रि चौपाल के अवसर पर 'मानस नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

42 से अधिक परिवेदनाओं की सुनवाई, पेयजल, बिजली और सड़कों से जुड़े रहे प्रमुख मुद्दे

चौपाल में जिला कलेक्टर ने ग्रामीणों से 42 से अधिक परिवेदनाएं प्राप्त की। विद्त पोल सुधार, जल जीवन मिशन के तहत ढाणियों में पेयजल कनेक्शन, हड्डुरोडी के लिए भूमि आवंटन, केटल शेड स्वीकृति, इंटरलॉक सड़क निर्माण, पीएम आवास योजना के तहत मकान निर्माण, तथा रातूसर में उपस्वास्थ्य केंद्र स्वीकृति जैसे मुख्य मुद्दे शामिल रहे। ललानिया पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि सुभाष डूडी ने गांवों को जोड़ने हेतु ग्रेवल सड़कों की स्वीकृति का ज्ञापन सौंपा।

जिला कलेक्टर ने कहा कि इस ग्राम पंचायत में अभी तक चिट्ठा व अन्य मेडिकेटेड नशा नहीं फैला है, परन्तु सतर्कता बरतना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि बच्चों पर विशेष ध्यान दें और यदि कोई अवैध नशे की बिक्री का पता चले तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें। साथ ही, उन्होंने टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सीएचसी या पीएचसी में निःशुल्क जांच करवाने, और फार्मर रजिस्ट्री अभियान के तहत पंजीकरण अनिवार्य रूप से करवाने की भी अपील की।

रक्तस्राव विकार सहमति बैठक में विशेषज्ञों ने हीमोफिलिया के सक्रिय उपचार की सिफारिश की

भोपाल। हीमोफिलिया सोसाइटी मध्यप्रदेश चैप्टर (भोपाल) ने अंतरराष्ट्रीय ख्याति के प्रमुख राष्ट्रीय चिकित्सा विशेषज्ञों और राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों के सहयोग से एक महत्वपूर्ण हीमोफिलिया सहमति बैठक कीमेजबानीकी। इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश और उससे बाहर के प्रमुख हेमेटोलॉजिस्ट, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, उद्योग भागीदार, राज्य नीति निर्माता, रोगी अधिवक्ता समूह के साथ-साथ हीमोफिलिया के रोगियों को एक साथ लाया गया, जिससे हीमोफिलिया से पीड़ित रोगियों के लिए गुणवत्तापूर्ण सेवाओंकीउपलब्धता को मानकीकृत और बेहतर बनाने पर विचार-विमर्श किया जा सके।विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि सक्रिय निवारक उपचार न केवल गंभीर रक्तस्राव के प्रकरणों को समाप्त कर सकता है और दीर्घकालिक विकलांगता को रोक सकता है, बल्कि प्रभावित परिवारों और व्यापक स्वास्थ्य प्रणाली पर सामाजिक-आर्थिक बोझ को भी कम कर सकता है। बैठक का उद्घाटन करते हुएक, एनएचएम मध्यप्रदेश की मिशन निदेशकडॉ. सलोनी सिदानाने कहा, जैसे-जैसे हम मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत कर रहे हैं, हमारा ध्यान किसी एक बीमारी तक सीमित नहीं है—चाहे वह हीमोफिलिया हो, सिकल सेल हो, या अन्य गैर-संचारी स्थितियां हों—हर एक को समान प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

आयुष गुप्ता भोपाल में अपने सेशन्स से सिखाएंगे अध्यात्म से जुड़ना

भोपाल। अनंत ऊर्जा सफर एक ऐसी पहल है जिससे आप आध्यात्मिक रूप से खुद से जुड़ सकते है और यदि आप इसे अपने नियमित जीवन में लागू कर लें तो आपका जीवन ही बदल जाएगा। आजकल के नीरस जीवन में जहाँ हर व्यक्ति शारिरिक के साथ मानसिक कमजोरी का भी सामना कर रहा है उनके लिए अनंत ऊर्जा सफर एक नए जीवन कि शुरुआत करने जैसा है। भोपाल में 20 मई के बाद से अनंत ऊर्जा सफर के सेशन्स लिए जाएंगे जो कि विश्व के सबसे युवा रेकी हीलर, सेलेब्रिटी टैरो कार्ड रीडर और अंकशास्त्री आयुष गुप्ता द्वारा लिए जाएंगे आयुष गुप्ता दुबई, नेपाल सहित दुनियाभर में अब तक रैकी हीलिंग के माध्यम से 1000 से भी अधिक लोगों का उपचार कर चुके है जिसमें कैंसर एवं कोमा जैसी गंभीर बीमारियों वाले मरीज भी शामिल है साथ ही आयुष ने 20000 से भी अधिक लोगों को टैरो कार्ड रीडिंग से उनके भविष्य की सही राह दिखाई है जिसमें कई सेलेब्रिटीज भी शामिल है। आयुष छोटी उम्र से ही अध्यात्म की ओर अग्रसर है और उनकी इन्ही विशेषताओं के चलते भारत ही नहीं बल्कि विश्वभर में उन्हें हीलिंग और टैरो कार्ड रीडिंग के लिए आमंत्रित किया जाता है। भोपाल में सेशन्स के माध्यम से अलग - अलग जगह अध्यात्म के जरिए मानसिक रूप से सक्षम बनने में मदद की जाएगी। जिससे लोग मानसिक रूप से सक्षम बने रहे। भोपाल में आयुष सेन्ट्रल जेल, कॉलेजस और इंस्टिट्यूटस में जा कर छात्रों एवं स्टॉफ को मैडिटेशन एवं रैकी के सेशन लेंगे।

राणा नायडू सीज़न 2 का प्रीमियर 13 जून को नेटफ्लिक्स पर

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के मशहूर प्रसाद सिनेमा में आज एक खास सेलेब्रेशन देखने को मिला, जहां फैंस की भीड़ उमड़ पड़ी। इस मौके की मेजबानी की सुपरस्टार राणा दग्गुबाती ने, जिनके साथ मौजूद थे वर्सेटाइल और डायनैमिक अभिनेता अर्जुन रामपाल। ये इवेंट नेटफ्लिक्स की जबरदस्त सीरीज 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन की वापसी का सेलेब्रेशन था। दोनों सितारों ने बड़े ही शानदार अंदाज में ग्रैंड एंट्री ली और राणा नायडू सीजन 2 का एक विशाल पोस्टर अनावरण किया, जिससे आने वाले धमाके की झलक मिल गई। इस मौके पर फैंस को सीजन 2 की पहली झलक भी दिखाई गई, जिससे शो को लेकर एक्ससाइटमेंट और भी बढ़ गयी। अभिनेता राणा दग्गुबाती ने कहा, सीजन 2 यह वाकई धमाकेदार है।

कई साल बजता रहेगा भारत का डंका...

फिच ने भी माना भारतीय इकॉनमी का लोहा, चीन को झटका

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के लिए इकॉनमी के मोर्चे पर अच्छी खबर है। फिच रेटिंग्स ने साल 2028 तक भारत की औसत वार्षिक वृद्धि क्षमता का अनुमान बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने नवंबर 2023 में इसके 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। फिच ने पांच साल के संभावित सकल घरेलू उत्पाद अनुमानों को अपडेट करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2023 की रिपोर्ट के समय की हमारी अपेक्षा से अधिक मजबूती से वापसी की है। इससे वैश्विक महामारी के झटकों के कम प्रतिकूल प्रभाव के संकेत मिलते हैं।

अपने अपडेटेड पूर्वानुमान में फिच ने 2023-2028 के लिए भारत की औसत वृद्धि दर का अनुमान 6.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। इसमें कहा गया, फिच रेटिंग्स ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में शामिल 10 उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के लिए अगले पांच वर्षों के लिए अपने मध्यम अवधि संभावित जीडीपी अनुमानों को थोड़ा कम कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया, 'हमारा नया अनुमान जीडीपी भारित आधार पर 3.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जो नवंबर 2023 के हमारे पिछले आकलन चार प्रतिशत से कम है।'

चीन को झटका

इस बीच रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भी एक गुड न्यूज दी है। एजेंसी का कहना है कि पिछले दशक में वैश्विक तेल मांग में वृद्धि को गति देने का काम भले ही चीन ने किया था लेकिन अगले दशक में भारत यह भूमिका निभाएगा। मूडीज ने एक रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया है। चीन दुनिया में दूसरे नंबर का तेल उपभोक्ता है जबकि भारत तीसरे स्थान पर है। लेकिन दोनों देशों की मांग वृद्धि में उल्लेखनीय अंतर है। मूडीज रेटिंग्स ने कहा कि भारत में मांग की वृद्धि और आयात पर निर्भरता अधिक होगी। अगले दशक में भारत में मांग चीन की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ेगी, क्योंकि चीन की आर्थिक वृद्धि सुस्त हो रही है और नए ऊर्जा वाहनों का प्रवेश तेज हो रहा है।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक का मजबूत प्रदर्शन जारी, 2,709 करोड़ का राजस्व दर्ज किया

- शुद्ध लाभ 81.4 प्रतिशत बढ़ा, कस्टमर बैलेंस बढ़कर 3,659 करोड़ हुआ

मुंबई, एजेंसी। आज एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के परिणाम जारी किए। इस साल बैंक को 47.5 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि के साथ 2,709 करोड़ का राजस्व मिला। कंपनी का शुद्ध लाभ 81.4 प्रतिशत बढ़कर 63 करोड़ हो गया। इबीआइटीडीए 64 प्रतिशत साल-दर-साल बढ़कर 299 करोड़ दर्ज हुआ। कस्टमर बैलेंस 30.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3,659 करोड़ हो गया। सकल व्यापारिक मूल्य 3,808 बिलियन रहा। आज एयरटेल पेमेंट्स बैंक यूज़र बेस के आधार पर देश का तीसरा सबसे बड़ा मोबाइल बैंक है।

वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के अंत में राजस्व पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 34.7 प्रतिशत बढ़कर 726 करोड़ रहा। लाभ 138 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि के साथ 26 करोड़ दर्ज हुआ। पिछले चार सालों में, बैंक ने राजस्व में 44 प्रतिशत का मजबूत ष्टत्रक्र प्रदान किया है।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक के एमडी और सीईओ, अनुब्रत बिस्वास ने कहा, इस साल दर्ज हुई मजबूत वृद्धि ने हमारे व्यवसाय का विस्तार और इसमें ग्राहकों का अटूट विश्वास प्रदर्शित किया है। हमारे सेफ सेकंड अकाउंट की पेशकश को लोगों ने तेजी से अपनाया है, जिससे डिजिटल भुगतान के लिए एक सुरक्षित वैकल्पिक बैंक खाते की बढ़ती जरूरत प्रदर्शित होती है। आज देश में हर दो घरेलू प्रेषणों में से एक और हर पाँच आधार-इनेबल्ड भुगतानों में से एक हमारे माध्यम से होता है। हम लगातार आगे बढ़ते हुए हर भारतीय को सरल व सुगम बैंकिंग समाधान प्रदान करने और डिजिटल अंतर को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सेफ सेकंड अकाउंट को तेजी से अपनाए जाने के साथ हमारा बैंक विश्वसनीय दैनिक डिजिटल भुगतान के लिए पसंदीदा विकल्प बन गया है। टियर-3 और उससे आगे के क्षेत्रों में बैंक के 5,00,000 सक्रिय बैंकिंग केन्द्र हैं, जिनमें से अधिकांश का संचालन महिला बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट्स द्वारा किया जाता है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक शहरी डिजिटल, अंडरबैंक्ड और इंस्टीट्यूशनल सेगमेंट्स में एंड-टू-एंड डिजिटल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करता है। बैंक वार्षिक आधार पर लगभग लगभग 12 बिलियन लेनदेन का प्रसंस्करण करता है और इसकी सेवाएं हर चार में से तीन गाँवों में मौजूद हैं। बैंक द्वारा अपने 6,200+ कॉर्पोरेट पार्टनर्स के साथ हर माह 8,000 करोड़ से ज़्यादा के कैश को डिजिटाइज़ किया जाता है।

प्रोस्टार्म इन्फो सिस्टम्स आईपीओ से 168 करोड़ रुपए जुटाएगी

प्राइस बैंड 95 से 105 के बीच तय किया गया

भोपाल। प्रोस्टार्म इंफो सिस्टम्स लिमिटेड ने आज अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 95-105 प्रति इक्विटी शेयर के प्राइस बैंड की घोषणा की। यह आईपीओ मंगलवार, 27 मई 2025 को सबस्क्रिप्शन के लिए खुलेगा और गुरुवार, 29 मई 2025 को बंद होगा। एंकर निवेशकों का हिस्सा सोमवार, 26 मई 2025 को खोला जाएगा। कंपनी इस पेशकश से 168 करोड़ जुटाने का इरादा रखती है और इसे बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किया जाएगा। चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर है और केएफआईएन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इस आईपीओ की रजिस्ट्रार है। प्रोस्टार्म इन्फो एक इंटिग्रेटिड पावर सॉल्यूशन कंपनी है, जो विशेष रूप से यूपीएस सिस्टम लिथियम-आयन बैटरी पैक, थर्ड पार्टी पावर सॉल्यूशन उत्पादों और अन्य क्षेत्रों में काम करती है। यह स्वास्थ्य सेवा, विमानन, अनुसंधान, बीएफएसआई, रेलवे, रक्षा, सुरक्षा, शिक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और तेल एवं गैस सहित कई उद्योगों को सेवाएं प्रदान करती है। यह प्रोस्टार्म ब्रांड के तहत कई पावर सॉल्यूशन उत्पाद बनाती है, जैसे यूपीएस सिस्टम, इन्वर्टर सिस्टम, लिफ्ट इन्वर्टर सिस्टम, सोलर हाइब्रिड इन्वर्टर सिस्टम, लिथियम-आयन बैटरी पैक, सर्वो-नियंत्रित वोल्टेज स्टेबलाइजर और आइसोलेशन ट्रांसफॉर्मर। यह ईपीसी आधार पर टर्नकी रूफटॉप सोलर फोटोवोल्टिक पावर प्लांट प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ एएमसी का काम भी करती है। इस आईपीओ में बुक-बिल्डिंग रूट के जरिए 10/- अंकित मूल्य वाले 1,60,00,000 इक्विटी शेयरों का नया इश्यू शामिल होगा। एंकर निवेशकों के लिए 48,00,000 इक्विटी शेयर आरक्षित किए गए हैं, एनआईआई हिस्से के लिए 24,00,000 इक्विटी शेयर आवंटित किए गए हैं, एंकर निवेशकों को आवंटन के बाद क्यूआईबी के लिए 32,00,000 इक्विटी शेयर और खुदरा (आरआईआई) हिस्से के लिए 56,00,000 इक्विटी शेयर हैं।

अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस: वेदांता के हिंदुस्तान ज़िंक ने उदयपुर में मगरमच्छ संरक्षण रिज़र्व के लिए साईन किया एमओयू

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के मौके पर भारत की एक मात्र महत्वपूर्ण खनिज, उर्जा रूपान्तरण, धातु, विद्युत, तेल एवं गैस और टेक्नोलॉजी कंपनी वेदांता लिमिटेड (एनएसई: वीईडीएल) ने जैव विविधता के संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। कंपनी की राजस्थान स्थित सब्सिडरी हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड ने बाघदर्रा मगरमच्छ संरक्षण रिज़र्व के पुनरुत्थान के लिए उदयपुर के वन विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। रु 5 करोड़ के निवेश के साथ यह पहल पर्यावरण संरक्षण के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी में महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य 400 हैक्टेयर में फैले इस रिज़र्व को दलदली मगरमच्छों के लिए अनुकूल आवास में बदलना है। राजस्थान के उदयपुर में कलड़वास ग्राम पंचायत स्थित बाघदर्रा संरक्षण रिज़र्व में पक्षियों की 200 प्रजातियां रहती हैं, यह बारहमासी झील के आस-पास केन्द्रित जैविक रूप से समृद्ध क्षेत्र है। वेदांता की बहुआयामी विकास योजनाओं में संरक्षण, बुनियादी सुविधाओं एवं सामुदायिक गतिविधियों की व्यापक रेंज शामिल है। यह पहल वृक्षारोपण, जल संरक्षण संरचनाओं जैसे चैक डैम एवं तालाब और इको-सेंसिटिव विज़िटर ज़ोन (जैसे पैदल चलने का रास्ता, आश्रय और शैक्षणिक प्रदर्शनियों) के माध्यम से मगरमच्छों के प्राकृतिक आवास की बहाली के लिए काम करेगी। यह पहल संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 15 (धरती पर जीवन) तथा इस साल की थीम 'प्रकृति एवं स्थायी विकास के साथ तालमेल' के अनुरूप है। वेदांता अपनी प्रमुख पशु कल्याण परियोजना, द एनिमल केयर ओर्गेनाइज़ेशन के माध्यम से वन्यजीवन को सुरक्षित रखने में अग्रणी रही है।

गोकलदास एक्सपोर्ट्स की कुल आय में चौथी तिमाही के दौरान 27 प्रतिशतकी वृद्धि

मुंबई, एजेंसी। गोकलदास एक्सपोर्ट्स ने चौथी तिमाही में सालाना आधार पर कुल आय में 27 प्रतिशतकी वृद्धि और कर-पूर्व लाभ में 84 प्रतिशतकी बढ़ोतरी दर्ज की। कंपनी ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही के दौरान 1,035 करोड़ की समेकित कुल आय और 79 करोड़ का कर-पूर्व समेकित लाभ दर्ज किया। उत्पादकता लाभ और मजबूत लागत प्रबंधन के मद्देनजर उक्त तिमाही के दौरान एबिट्डा मार्जिन में सालाना आधार पर 272 आधार अंकों का सुधार हुआ। वित्त वर्ष 2025 में कुल आय 3917 करोड़ पर पहुंच गई, जो अब तक का उच्चतम स्तर है, साथ ही कर-पूर्व समेकित लाभ 218 करोड़ रहा। कंपनी की पूरे साल की कुल आय और कर-पूर्व लाभ में 63 प्रतिशतऔर 37 प्रतिशतकी वृद्धि दर्ज की गई। गोकलदास एक्सपोर्ट्स के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, शिवरामकृष्णन गणपति ने कंपनी के चौथी तिमाही और पूरे साल के प्रदर्शन पर अपनी टिप्पणी में कहा, यह साल गोकलदास एक्सपोर्ट्स के लिए बड़ी उपलब्धियों भरा रहा क्योंकि यह अधिग्रहणों के समेकन का दौर था। हमने पूरे साल के साथ-साथ तिमाही के लिए कुल आय और मुनाफे में अच्छी वृद्धि दर्ज की। हमें व्यवसाय को समेकित और विकसित करना जारी रखते हुए अगले कुछ वर्षों में मार्जिन को और बेहतर बनाने के लिए काफी प्रयास करने की जरूरत है।

- लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सॉल्यूशन्स ने भारतीय घरों के लिए किफायती और अत्यधिक सुरक्षित मुख्य दरवाजे का

लॉक ट्राइबोल्ट कॉम्पैक्ट लॉन्च किया

नई दिल्ली, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप (जीईजी) की इकाई लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सॉल्यूशन्स ने आज अपने ट्राइबोल्ट कॉम्पैक्ट सीरीज़ के लॉन्च की घोषणा की, जो भारतीय परिवारों के लिए उच्च सुरक्षा वाले मुख्य दरवाज़े के लॉक को सुलभ और किफायती बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह लॉक विशेष रूप से उन उपयोगकर्ताओं के लिए तैयार किया गया है जो पारंपरिक पैडलॉक या साधारण दरवाज़ा हार्डवेयर से अपग्रेड करना चाहते हैं। गोदरेज की विश्वसनीयता, मजबूती और नवाचार को अब एक कॉम्पैक्ट, स्टाइलिश और बजट फ्रेंडली डिज़ाइन में प्रस्तुत किया गया है। ट्राइबोल्ट कॉम्पैक्ट सीरीज़ तीन वेरिएंट्स – 1ष्ट्य लैचबोल्ट, 1ष्ट्य डेडबोल्ट, और 2ष्ट डेडबोल्ट के साथ ही दो आकर्षक फिनिश में टेक्सचर्ड ब्लैक, और टेक्सचर्ड ब्राउन में उपलब्ध है। ट्राइबोल्ट कॉम्पैक्ट सीरीज़ कार्यक्षमता और डिज़ाइन का ऐसा संयोजन है जो भारतीय घरों की बढ़ती सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करती है। लॉन्च के अवसर पर गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप (जीईजी) के बिजनेस हेड श्याम मोटवानी ने कहा, हमारा मानना है कि सुरक्षा किसी खास वर्ग का अधिकार नहीं, बल्कि हर परिवार का मूलभूत अधिकार होना चाहिए। एक सुविधा नहीं, बल्कि एक मानक होनी चाहिए। ट्राइबोल्ट कॉम्पैक्ट को खासतौर पर भारतीय घरों की रोजमर्रा की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि ताकत, सरलता और सुविधा का आदर्श संतुलन बना रहे। यह परिवारों को बिना बजट पर बोझ डाले सुरक्षित महसूस कराने में सक्षम बनाता है। इसकी उपयोग में आसान डिज़ाइन और मजबूती यह दर्शाती है कि भरोसेमंद सुरक्षा सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए। इस सोच को साकार करते हुए ट्राइबोल्ट कॉम्पैक्ट सीरीज़ कई व्यावहारिक और सुरक्षा-उन्मुख विशेषताओं के साथ आती है – जैसे कि कम रोशनी में भी आसान उपयोग के लिए रिवर्सिबल डिम्पल कीज़, जंगरोधी ऑल-ब्रास सिलिंडर, मजबूत 21द्वद्व बोल्ट थ्रो, और एक पुलर रिंग, जो दुर्घटनावश लॉक हो जाने से बचाता है। ये फीचर्स इसे खासकर उन नवविवाहित जोड़ों और ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए आदर्श बनाते हैं।

रेज़रपे ने भारत के टियर2 एवं टियर3 शहरों में डीप टेक इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए मीटीई स्टार्टअप हब के साथ की साझेदारी

मुंबई, एजेंसी। एमएसएच से जुड़े सभी स्टार्टअप्स को रेजरपे राइज का एक्सेस मिलेगा- वे इन्कॉर्पोरेशन सर्विस, वायकॉम्बीनेटर ऐप्लीकेशन्स के लिए सहयोग तथा रेजपेर लीडरशिप के मार्गदर्शन एवं सहयोग आदि का लाभ उठा सकेंगे। भारत के स्टार्टअप सिस्टम को समर्थन प्रदान करने की प्रतिबद्धता के साथ कारोबारों के लिए भारत के अग्रणी फुल-स्टैक पेमेंट्स एवं बिजनेस बैंकिंग प्लेटफॉर्म रेजरपे ने इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की पहल मीटीई स्टार्टअप हब (एमएसएच) के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत रेजरपे और एमएसएच एक साथ मिलकर डीप टेक एवं उभरते टेक स्टार्ट-अप्स को आधुनिक फिनटेक इन्फ्रास्ट्रक्चर, मार्गदर्शन, प्रोडक्ट क्रेडिट और इनोवेशन-उन्मुख इकोसिस्टम उपलब्ध कराएंगे। इस साझेदारी पर बात करते हुए आरिफ़ खान, चीफ़ इनोवेशन ऑफिसर, रेजरपे ने कहा, ''ज्यादातर बदलावकारी आइडियाज ऐसे स्थानों से आते हैं, जहां से उम्मीद नहीं होती। जहां अकेला संस्थापक समस्या का समाधान करता है। लेकिन आइडिया को बिजनेस में बदलने के लिए जुनून से बढ़कर बहुत कुछ चाहिए ; इसके लिए सही इन्फ्रास्ट्रक्चर और अनुभवी लोगों के मार्गदर्शन और सपोर्ट की जरूरत होती है। अगर हम अगले बिलियन का निर्माण करना चाहते हैं तो हमें अगले मिलियन बिल्डर्स को सशक्त बनाना होगा। एमएसएच के साथ यह साझेदारी कुछ ऐसा ही कर रही है। यह शुरुआती अवस्था के संस्थापकों को जरूरी

देश के एमएसएमई वाणिज्यिक ऋण पोर्टफोलियो में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की वृद्धि

मार्च 2025 के अंत तक कुल एमएसएमई वाणिज्यिक क्रेडिट एक्सपोजर 35 लाख करोड़ तक पहुँच गया, जो मार्च 2024 के अंत में 31 लाख करोड़ था

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के वाणिज्यिक क्रेडिट पोर्टफोलियो में वर्ष-दर-वर्ष 13 प्रतिशतकी वृद्धि दर्ज की गई, जिससे कुल क्रेडिट एक्सपोजर 31 मार्च 2025 तक 35.2 लाख करोड़ तक पहुँच गया। यह प्रवृत्ति मुख्य रूप से मौजूदा उधारकर्ताओं को ऋण आपूर्ति में वृद्धि के कारण देखने को मिली, ऐसा ट्रांसयूनियन सिबिल और सिडबी की मई 2025 की स्स्स्ध पल्स रिपोर्ट में कहा गया है। एमएसएमई क्षेत्र में वे उधारकर्ता शामिल हैं जिनका क्रेडिट एक्सपोजर 50 करोड़ तक होता है। समग्र ऋण पोर्टफोलियो में वृद्धि के साथ-साथ बैलेंस-लेवल गंभीर चूक (90 से 720 दिन की बकाया राशि (डीपीडी) के रूप में मापी गई और सब-स्टैंडर्ड के रूप में रिपोर्ट की गई) में सुधार हुआ, जो कि पिछले पाँच वर्षों में सबसे निचला स्तर है।

क्रेडिट प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है, बैलेंस-लेवल डिलिंक्वेंसी में गिरावट दर्ज- कुल एमएसएमई बैलेंस-लेवल डिलिंक्वेंसी मार्च 2025 में घटकर 1.8 प्रतिशतहो गई, जो मार्च 2024 में 2.1 प्रतिशतथी – यानी 35 बेसिस प्वाइंट की गिरावट। इस सुधार का प्रमुख कारण 50 लाख से 50 करोड़ के एक्सपोजर वाले उधारकर्ता वर्ग में सुधार रहा। हालांकि, 10 लाख तक के एक्सपोजर वाले उधारकर्ता वर्ग में डिलिंक्वेंसी में हल्की वृद्धि देखी गई, जो मार्च 2024 में 5.1 प्रतिशतथी और मार्च 2025 में बढ़कर 5.8 प्रतिशतहो गई। इसी तरह, 10 लाख से 50 लाख तक के एक्सपोजर वाले उधारकर्ताओं की श्रेणी में भी डिलिंक्वेंसी स्तर थोड़ा बढ़कर 2.9 प्रतिशतहो गया, जो मार्च 2024 में 2.8 प्रतिशतथा।

एमएसएमई क्रेडिट ग्रोथ की गति बनी हुई है मजबूत- वाणिज्यिक क्रेडिट की मांग, जिसे पूछताछों की संख्या के आधार पर मापा जाता है, मार्च 2025 में समाप्त तिमाही में वर्ष-दर-वर्ष 11 प्रतिशतबढ़ी। वाणिज्यिक क्रेडिट की आपूर्ति (मूल्य के अनुसार) वित्त वर्ष 2024-25 में 3 प्रतिशत बढ़ी। हालांकि, जनवरी से मार्च 2025 की तिमाही में क्रेडिट की आपूर्ति में 11 प्रतिशतकी गिरावट देखी गई, जिसका संभावित कारण बाहरी चुनौतियों के कारण उधारदाताओं की बढ़ती चिंताएँ रहीं। इस ऋण वितरण में सुस्ती के बावजूद, नई नकद क्रेडिट सुविधाओं के माध्यम से दिया गया ऋण मजबूत बना रहा और इसी तिमाही में इसमें 7 प्रतिशत वायओवाय वृद्धि दर्ज की गई। मार्च 2025 तक कुल नए ऋण वितरणों में न्यू-टू-क्रेडिट एमएसएमई उधारकर्ताओं की हिस्सेदारी 47 प्रतिशतबनी रही, हालांकि यह एक साल पहले 51 प्रतिशतथी।

प्रभास की फिल्म छोड़ दीपिका ने थामा साउथ स्टार का दामन

आठ घंटे ही एक दिन में करेंगी काम

हीरोइन नंबर वन दीपिका पादुकोण की निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा से खटक गई है। वह अब उनकी फिल्म 'स्पिरिट' में शायद ही काम करें क्योंकि दीपिका के अब एक दिन में सिर्फ आठ घंटे ही काम करने के नए नियम से संदीप खुश नहीं थे। 'स्पिरिट' की डेट्स दीपिका ने फिल्म 'जवान' के अपने निर्देशक एटली की झोली में डाल दी हैं, जो जल्द ही अभिनेता अल्लू अर्जुन के साथ एक मेगा बजट फिल्म करने जा रही हैं। फिल्म 'एनिमल' के बाद इसके निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा अब तक दूसरी फिल्म शुरू नहीं कर पाए हैं। लोगों को इसकी सीक्वल 'एनिमल पार्क' का बेसब्री से इंतजार है लेकिन उससे पहले संदीप का वादा प्रभास के साथ फिल्म 'स्पिरिट' पूरी करने का है। इस फिल्म की शूटिंग बीते साल ही शुरू हो जानी थी, लेकिन दीपिका के मां बनने की खबरें आने के बाद संदीप ने इस फिल्म की शूटिंग आगे के लिए टाल दी। अब दीपिका के मां बनने के बाद जो पहली फिल्म शुरू होनी थी, उसमें सबसे पहले 'स्पिरिट' का ही नंबर था। फिल्म के निर्माता इस फिल्म के लिए दीपिका को 20 करोड़ रुपये देने की बात भी मांग गए थे, लेकिन चूंकि संदीप रेड्डी वंगा का काम करने का स्टाइल अलग है तो दीपिका पहले से ही कुछ बातें लिखित में चाह रही थीं। जानकारी के मुताबिक दीपिका ने एक दिन में सिर्फ आठ घंटे ही काम करने की शर्त रखी और ये भी कि वह तेलुगु में अपनी डबिंग नहीं करेंगी।

अभिषेक बच्चन की कल्ट क्लासिक युवा के 21 साल किए पूरे

मणिरत्नम की फिल्म युवा, एक ऐसी फिल्म जिसने भारतीय सिनेमा में युवाओं, राजनीति और सत्ता की परिभाषा को बदल दिया, आज अपने 21 शानदार साल पूरे कर रही है। 2004 में रिलीज़ हुई यह फिल्म अभिषेक बच्चन के करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। फिल्म में उनके किरदार लल्लन सिंह को जबरदस्त सराहना मिली और इसी भूमिका के लिए उन्हें पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर भी मिला। रग्ड, रॉ और रिवेटिंग - लल्लन सिंह सिर्फ एक किरदार नहीं था, वह एक सांस्कृतिक क्षण बन गया। 'युवा' के साथ अभिषेक ने अपने ऊपर लगे अपेक्षाओं के बोझ को उतारा और अपनी एक अलग पहचान बनाई। यह फिल्म उनके करियर की आधारशिला बनी हुई है और उनका यह परफॉर्मेंस आज भी फैंस के बीच बेहद लोकप्रिय है। अभिषेक बच्चन भारतीय सिनेमा के सबसे स्थिर और भरोसेमंद कलाकारों में गिने जाते हैं – मनमर्जियां, लूडो, बॉब बिस्वास, दसवीं (जो नेटफ्लिक्स पर ♯1 रही), बी हैप्पी (जो ऐमज़ॉन प्राइम वीडियो पर ♯1 ट्रेंड में रही), और आई वांट टू टॉक जैसी सफल और सराही गई फिल्मों के साथ

ठग लाइफ की शुगर बेबी गाना रिलीज

त्रिशा ने दी बेहतरीन डांस परफॉर्मेंस

आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' का दूसरा गाना 'शुगर बेबी' बुधवार को रिलीज हो गया। इस गाने को ऑस्कर और ग्रैमी विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान ने कंपोज किया है और इसमें अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन ने शानदार डांस परफॉर्मेंस दी है, जिसे देखकर आप अपनी नजरें नहीं हटा पाएंगे। यह गाना रिदम और एटिट्यूड का एक हाई-वोल्टेज कॉकटेल है, और इसमें धमाकेदार बीट्स और चंचल स्वर की परतें हैं, जो ठग लाइफ के साउंडस्केप के द्वंद्व को उजागर करती हैं - विद्रोह और मौज-मस्ती। त्रिशा ने अपने मूव्स और अनफिल्टर्ड कॉन्फिडेंस से स्क्रीन पर चार चांद लगा दिए हैं, और एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह भारतीय सिनेमा में एक पावरहाउस क्यों हैं। यह गाना फिल्म के वेडिंग एंथम जिंगुचा के रिलीज के बाद आया है। यह गाना तमिल और हिंदी में रिलीज किया गया है।

तमिल वर्जन में एलेक्जेंड्रा जॉय, शुबा और सरथ संतोष की आवाजें हैं, जबकि हिंदी वर्जन में निकिता गांधी, शुबा और शाश्वत सिंह एक साथ हैं, जो पहले से ही आकर्षक ट्रैक में एक कॉस्मोपॉलिटन ऊर्जा जोड़ते हैं। ठग लाइफ में भारतीय सिनेमा के दिग्गज कमल हासन हैं, और यह लगभग चार दशकों बाद राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता लेखक मणिरत्नम के साथ उनका दूसरा सहयोग है। दोनों ने आखिरी बार नायकन में साथ काम किया था। यह मणिरत्नम और उनके रचनात्मक हमसफर ए.आर. रहमान के बीच एक और सहयोग को भी दर्शाता है। कमल हासन की राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मणिरत्नम की मद्रास टॉकीज, आर. महेंद्रन और शिवा अनंत द्वारा निर्मित, ठग लाइफ में सिलंबरासन टीआर, त्रिशा कृष्णन, अशोक सेल्वन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, जोजू जॉर्ज, अली फ़ज़ल, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ जैसे कलाकार भी हैं। मणिरत्नम के निर्देशन और ए.आर. रहमान के संगीत के साथ, ठग लाइफ 5 जून, 2025 को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

श्रद्धा कपूर ने ठुकराई एकता कपूर की थ्रिलर फिल्म

फिल्म स्त्री 2 की सक्सेस के बाद एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की डिमांड बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस बहुत ही सोच समझकर फिल्में साइन कर रही हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि उन्होंने एकता कपूर की फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया है। इस खबर पर चुप्पी तोड़ते हुए फिल्म के डायरेक्टर राही अनिल बर्वे ने इसे महज एक अफवाह बताया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एकता कपूर की फिल्म के लिए श्रद्धा कपूर ने 17 करोड़ रुपए की डिमांड की थी। एकता कपूर को यह रकम बहुत ज्यादा लगी। उनके मुताबिक एक फीमेल लीड के लिए इतनी बड़ी अमाउंट देना सही नहीं है। इससे फिल्म की बजट पर असर पड़ सकता है। श्रद्धा कपूर कपूर को यह बात नागवार गुजरी इसलिए उन्होंने एकता की फिल्म छोड़ दी है। ऐसी चर्चा की प्रोडक्शन टीम ने नए लीड एक्ट्रेस की तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक फिल्म के लिए कई टॉप एक्ट्रेस से बातचीत चल रही है। बताया जा रहा है कि श्रद्धा कपूर ने 'स्त्री 2' के हिट होने के बाद अपनी फीस बढ़ा दी है। इसी के चलते उन्होंने एकता कपूर की बड़े बजट की थ्रिलर फिल्म से कदम पीछे खींच लिए हैं। इस फिल्म को तुम्बाड फेम डायरेक्टर राही अनिल बर्वे डायरेक्ट करने वाले थे। डायरेक्टर ने श्रद्धा कपूर के फिल्म छोड़े जाने वाली बात को महज एक अफवाह बताया है। उन्होंने इस बात का खुलासा बातचीत के दौरान किया है। डायरेक्टर के मुताबिक इस समय वो वेब सीरीज रक्त ब्रह्मांड पर काम कर रहे हैं। इसके बाद एकता कपूर की फिल्म करेंगे। वहीं श्रद्धा कपूर को लेकर खबर है कि वो दिनेश विजान, बोनी कपूर और भूषण कुमार जैसे प्रोड्यूसर्स के साथ कई प्रोजेक्ट्स पर बात कर रही हैं।

मणिरत्नम ने 'ठग लाइफ' में सान्या मल्होत्रा की भूमिका का किया खुलासा, कास्टिंग के पीछे की बताई वजह

कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ का गाना जिंगुचा का एक झलक दिखा, तो उसमें सान्या मल्होत्रा और सिलंबरासन को एक साथ डांस करते देखा गया। इसने दर्शकों के मन में कई सवाल पैदा किए, कुछ ने तो यहां तक कहा कि वह फिल्म में मुख्य भूमिका में होंगी। हालांकि, अब इन सभी सवालों के जवाब देते हुए खुद निर्देशक मणिरत्नम ने अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा के रोल को लेकर खुलासा किया है।

कैमियो में नजर आएंगी सान्या

ठग लाइफ फिल्म के निर्देशक मणिरत्नम ने हाल ही में तमिल पत्रिका विकटन से बात की। इस दौरान उन्होंने फिल्म में सान्या की मौजूदगी को लेकर बात की। डायरेक्टर ने कहा, 'वह फिल्म में एक छोटी सी भूमिका निभा रही हैं और केवल गाने में दिखाई देंगी। यह एक दोस्ताना भूमिका है। वह एक बेहतरीन डांसर और एक अच्छी इंसान हैं।' इस बात से निर्देशक ने लग रहे सभी कयासों को गलत साबित कर दिया है।

सान्या को कास्ट करने की बताई वजह

आगे बातचीत में निर्देशक मणिरत्नम ने सान्या मल्होत्रा को कास्ट करने के पीछे वजह बताई है। उन्होंने कहा, 'कहानी दिल्ली की है, तो हमें उसी तरह का फ्लेवर चाहिए था। हमें उत्तर भारतीय चेहरा चाहिए था, इसलिए हमने उन्हें चुना।' इस फिल्म में सान्या के अलावा रोहित सराफ और अली फजल भी नजर आएंगे।

Hera Pheri: 3

परेश रावल की जगह बाबू भैया के किरदार में दिखेंगे पंकज त्रिपाठी?

फिल्म 'हेरा फेरी 3' से परेश रावल के किनारा करने के बाद खबर आई कि उनकी जगह पर मेकर्स पंकज त्रिपाठी को ले सकते हैं। अब इस पर खुद एक्टर का बयान सामने आ गया है।

दिग्गज अभिनेता परेश रावल के 'हेरा फेरी 3' से खुद को बाहर करने के बाद से ही उनकी जगह पर दूसरे एक्टर को लेकर अटकलें तेज हो गई है। आइकॉनिक किरदार बाबू भैया के लिए पंकज त्रिपाठी का नाम सबसे ऊपर आ रहा है। लेकिन क्या वाकई पंकज त्रिपाठी बाबू भैया की भूमिका निभाएंगे? इस पर खुद एक्टर ने अब रिएक्शन दिया है।

पंकज त्रिपाठी ने दी प्रतिक्रिया

एक इंटरव्यू के दौरान पंकज त्रिपाठी से पूछा गया कि सोशल मीडिया पर लोग उन्हें हेरा फेरी 3 में कास्ट किए जाने की बात कर रहे हैं। इस पर अभिनेता ने जवाब देते हुए कहा कि वो कभी भी खुद को परेश रावल के बराबर नहीं समझते। पंकज ने कहा, 'मैंने भी लोगों की बातें सुनी और पढ़ीं, लेकिन मैं खुद को उस किरदार के लायक नहीं मानता। परेश जी एक बेहतरीन कलाकार हैं। उनके सामने मैं कुछ भी नहीं हूं।'

पकंज त्रिपाठी का नाम सबसे ऊपर

बता दें जहां एक ओर पंकज त्रिपाठी की कॉमिक टाइमिंग और अभिनय की तारीफ होती रही है, वहीं दर्शकों के बीच बाबू भैया का किरदार एक अलग ही भावनात्मक जुड़ाव रखता है। ऐसे में सोशल मीडिया पर फैंस परेश की जगह पकंज त्रिपाठी का ही नाम ले रहे हैं जो इस रोल को अच्छे से निभाने का दम रखते हैं।

परेश रावल ने छोड़ी फिल्म 'हेरा फेरी 3'

परेश रावल के अचानक हेरा फेरी 3 से अलग होने की वजहों पर काफी चर्चा हो रही है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी ने परेश रावल पर 25 करोड़ का दावा ठोंका है। आरोप लगाया गया है कि परेश रावल ने फिल्म साइन करने के बाद अचानक शूटिंग बीच में छोड़ दी। हालांकि, परेश रावल ने खुद सोशल मीडिया पर बयान जारी कर साफ किया कि उनके और निर्देशक प्रियदर्शन के बीच कोई क्रिएटिव मतभेद नहीं है और उन्होंने अपनी मर्जी से फिल्म छोड़ी है।

-साभार-एजेंसी

शुभमन गिल को मिल सकती है भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी, इंग्लैंड दौरे के लिए दौड़ में सबसे आगे

मुंबई, एजेंसी। विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद भारतीय क्रिकेट में बदलाव के नए दौर की शुरूआत होगी जब पांच टेस्ट मैचों के इंग्लैंड दौरे के लिए राष्ट्रीय चयनकर्ता शनिवार को नए टेस्ट कप्तान का चयन करेंगे। इंग्लैंड दौरे के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के नए चक्र का आगाज होगा और 25 बरस के शुभमन गिल कप्तानी की दौड़ में सबसे आगे हैं। ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर जसप्रीत बुमराह उप-कप्तान थे और उन्हें ही कप्तानी सौंपी जानी चाहिए थी लेकिन उनकी फिटनेस और कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए वह दौड़ में पिछड़ सकते हैं। ऋषभ पंत आईपीएल में पूरी तरह से नाकाम रहे लेकिन टेस्ट प्रारूप में बदलाव के दौर से गुजरने जा रही भारतीय टीम का वह अभिन्न अंग होंगे और उन्हें उप-कप्तान बनाया जा सकता है। कप्तान के अलावा टीम में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है। विराट और रोहित के जाने से खालीपन पैदा हुआ है जिससे केएल राहुल जैसे बल्लेबाजों से उम्मीदें बढ़ जाएंगी। राहुल और यशस्वी जायसवाल 20 जून से लीड्स में शुरू हो रहे पहले टेस्ट में पारी का आगाज कर सकते हैं। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले साई सुदर्शन रिजर्व सलामी बल्लेबाज हो सकते हैं।

अब देखना यह है कि अतिरिक्त विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर करूण नायर, सरफराज खान या श्रेयस अय्यर में से किसी को चुना जाता है क्या। रविचंद्रन अश्विन के संन्यास के बाद रविंद्र जडेजा प्रमुख स्पिनर होंगे लेकिन यह भी देखना होगा कि इंग्लैंड के हालात को देखते हुए क्या दो या तीन स्पिनरों को उतारा जा सकता है। अगर दो को चुना जाता है तो वॉशिंगटन सुंदर को कुलदीप यादव पर तरजीह मिल सकती है।

विकेटकीपिंग में पंत पहली पसंद होंगे और रिजर्व के तौर पर ध्रुव जुरेल को चुना जा सकता है। तेज गेंदबाजी में बुमराह क्या पांच मैचों तक फिट रह पायेंगे, यह एक सवाल है। मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर भी संदेह है। मोहम्मद सिराज तीसरे तेज गेंदबाज होंगे लेकिन अगर पांच तेज गेंदबाजों को चुना जाता है तो प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप और अर्शदीप सिंह चुने जा सकते हैं।

आईपीएल 2025: हमारे पास प्लेऑफ में जाने के मौके थे, गुजरात पर जीत के बाद छलका पंत का दर्द

अहमदाबाद, एजेंसी। लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने आईपीएल 2025 में कई मौकों पर अच्छा प्रदर्शन तो किया लेकिन मौके भुना नहीं सकी जिससे प्लेआफ की दौड़ से बाहर होना पड़ा। लखनऊ को प्रदर्शन में निरंतरता का खामियाजा भुगतना पड़ा और कई करीबी मुकाबलों में उसे पराजय भी मिली। पंत ने गुजरात टाइटंस पर 33 रन से जीत के बाद कहा, 'हम अच्छा क्रिकेट खेलने की बात करते हैं और हमने कई मौकों पर खेला भी। टूर्नामेंट में ऐसा भी समय आया जब हमारे पास प्लेऑफ में पहुंचने का मौका था लेकिन हम पहुंच नहीं सके। लेकिन यह खेल का हिस्सा है। उन्होंने दोहराया कि प्रमुख गेंदबाजों की चोट से उनका आक्रमण कमजोर हुआ। लखनऊ ने सत्र में अपने अभियान का आगाज मोहसिन खान, आवेश खान, आकाश दीप और मयंक यादव के बिना किया। शार्दुल ठाकुर को सत्र के बीच में शामिल किया गया जबकि आवेश और आकाश ने वापसी की। मयंक दो मैच खेलने के बाद बाहर हो गए। पंत ने कहा, 'टूर्नामेंट की शुरूआत में कई फिटनेस समस्याएं थी। हमने तय किया था कि इस पर बात नहीं करेंगे। फील्डिंग में हमे कमी खली। हम बहाने नहीं बना सकते।

श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

118 मैच, 15 साल से ज्यादा का करियर...

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के महानतम क्रिकेटर्स में शुमार एंजेलो मैथ्यूज ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है. मैथ्यूज ने कहा कि वो अपना आखिरी टेस्ट मैच जून में बांग्लादेश के खिलाफ खेलेंगे. यह मुकाबला 17 से 21 जून तक गॉल में खेला जाना है.

मैथ्यूज ने सोशल मीडिया पर 23 मई (शुक्रवार) को एक इमोशनल पोस्ट शेयर करके इस बात की जानकारी दी. मैथ्यूज ने स्पष्ट किया कि वो व्हाइट बॉल क्रिकेट खेलते रहेंगे. लगभग 16 साल लंबे अपने टेस्ट करियर में मैथ्यूज ने न केवल बल्ले से, बल्कि अपनी कप्तानी से भी श्रीलंकाई फैन्स के दिलों में खास जगह बनाई है.

मैंने क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया... एंजेलो मैथ्यूज ने X पर लिखा, अब समय आ गया है कि मैं क्रिकेट के सबसे पसंदीदा फॉर्मेट, इंटरनेशनल टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहूं. पिछले 17 सालों से श्रीलंका के लिए क्रिकेट खेलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और गर्व की बात रही है. जब कोई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनता है, तो जो देशभक्ति और सेवा की भावना होती है, उसकी तुलना किसी चीज से नहीं की जा सकती. मैंने क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया है और बदले में क्रिकेट ने भी मुझे बहुत कुछ दिया, मुझे वो इंसान बनाया जो मैं आज हूं. उन्होंने आगे लिखा, मैं इस खेल के प्रति आभारी हूं और उन हजारों श्रीलंकाई क्रिकेट फैन्स का दिल से धन्यवाद करता हूं जो मेरे करियर के उतार-चढ़ाव में हमेशा मेरे साथ खड़े रहे.

जून में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाला पहला टेस्ट मैच मेरे टेस्ट करियर का आखिरी मुकाबला होगा. जैसा कि चयनकर्ताओं से बात हुई है, मैं टेस्ट क्रिकेट से विदाई के बाद व्हाइट बॉल क्रिकेट में चयन के लिए उपलब्ध रहूंगा, अगर मेरे देश को मेरी जरूरत होगी. मैथ्यूज लिखते हैं, मुझे भरोसा है कि यह टेस्ट टीम एक प्रतिभाशाली टीम है, जिसमें भविष्य और मौजूदा दौर के कई महान खिलाड़ी हैं. मुझे लगता है कि यह सही समय है जब किसी युवा खिलाड़ी को मौका दिया जाए, ताकि वह देश के लिए चमक सके. मैं ईश्वर का, अपने माता-पिता का, अपनी पत्नी और बच्चों का, अपने पूरे परिवार व करीबी दोस्तों का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने मुझ पर हमेशा भरोसा किया और हर हाल में मेरा साथ दिया. साथ ही मैं श्रीलंका क्रिकेट और सभी कोचों को भी खास धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मेरे करियर के दौरान मेरा हमेशा सहयोग किया. एक अध्याय खत्म हो रहा है, लेकिन खेल के प्रति मेरा प्यार हमेशा बना रहे.

आईपीएल 2025:

11 साल में पहली बार शीर्ष दो में रहने पर पंजाब की नजरें

जयपुर, एजेंसी। एक दशक की नाकामी के बाद सफलता की नयी दास्तान लिख रही पंजाब किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स का सामना करेगी तो उसकी नजरें 11 साल में पहली बार शीर्ष दो में जगह बनाने पर लगी होंगी। इससे पहले 2014 सत्र में पंजाब टीम लीग में शीर्ष पर रही थी लेकिन फाइनल में हार गई।

पंजाब पिछले 18 साल के लीग के इतिहास में एक बार और ही प्लेऑफ में पहुंच सकी है। 11 बरस का इंतजार खत्म करने के बाद अब पंजाब की नजरें शीर्ष दो में रहने पर ही नहीं बल्कि एक और फाइनल खेलकर पहला खिताब जीतने पर लगी है। आत्मविश्वास से ओतप्रोत पंजाब टीम के हौसले और बढ गए जब उसके विदेशी खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस, जोश इंगलिस, आरोन हार्डी और काइल जैमीसन तीन दिन पहले टीम से जुड़े। ये चारों चयन के लिए उपलब्ध होंगे जब उनकी टीम मुंबई इंडियंस से हारकर यहां पहुंची दिल्ली का सामना करेगी।

भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण लीग एक सप्ताह के लिए स्थगित होने के बाद ये विदेशी खिलाड़ी स्वदेश लौट गए थे। पंजाब और दिल्ली के बीच आठ मई को धर्मशाला में मैच पहली पारी के बाद बीच में रद्द कर दिया गया था। टूर्नामेंट बहाल होने के बाद पंजाब टीम ने अपने विदेशी खिलाड़ियों को वापिस बुला लिया।

आईपीएल प्लेआफ में तीन अलग-अलग टीमों की कप्तानी करने वाले पहले कप्तान बने पंजाब के श्रेयस अय्यर पर काफी दारोमदार होगा जो बतौर कप्तान अपना शानदार फॉर्म कायम रखना चाहेंगे। पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब दिलाने वाले अय्यर 2019 और 2020 में दिल्ली को प्लेआफ तक ले जा चुके हैं। दिल्ली की टीम 2020 में उनकी कप्तानी में फाइनल में पहुंची थी।

पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह (458 रन), अय्यर (435 रन), प्रियांश आर्य (356 रन), अर्शदीप सिंह (11 विकेट) और युजवेंद्र चहल (13 विकेट) ने शानदार प्रदर्शन किया है। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स को कई मौके मिले लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव साफ नजर आया। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के लौट जाने से भी उसके प्रदर्शन पर असर पड़ा। अब टीम जीत के साथ टूर्नामेंट से विदा लेना चाहेगी।

टीमें:

पंजाब किंग्स:

श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बराड़, विष्णु विनोद, मार्को जानसन, लॉकी फर्ग्युसन, जोश इंगलिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य, अजमतुल्लाह उमरजई।

दिल्ली कैपिटल्स:

अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकंडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

समय: शाम 7:30 बजे।

पंजाब किंग्स में संकट

टीम के सह-निदेशकों के खिलाफ कोर्ट पहुंचीं प्रीति जिंटा

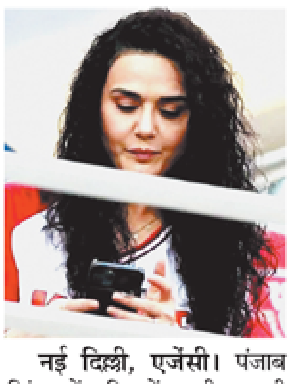

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स में मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। टीम के मालिकों के बीच विवाद छिड़ गया है। टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा अदालत पहुंच गई हैं। उन्होंने टीम के सह निदेशकों मोहित बर्मन और नेस वाडिया के खिलाफ चंडीगढ़ की एक अदालत में लीगल केस दायर किया है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में टीम शानदार फॉर्म में है।

श्रेयस अय्यर की अगुआई में पंजाब किंग्स प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। उसके 12 मैच में 17 अंक हैं और वह आईपीएल 2025 की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। उसके अभी दो मुकाबले बाकी हैं। उसे अब 24 मई को दिल्ली कैपिटल्स और 26 मई को मुंबई इंडियंस से भिड़ना है। मुंबई इंडियंस भी आईपीएल 2025 प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। दिल्ली कैपिटल्स बाहर हो चुकी है। पंजाब किंग्स की नजर दोनों मैच जीतकर अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए नॉकआउट चरण में प्रवेश करने पर है। आईपीएल 2014 के बाद से यह पहली बार है जब पंजाब प्लेऑफ में पहुंची है। अब उसकी नजर खिताब का सूखा खत्म करने और अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर होगी।

विशेष आम बैठक की वैधता को दी चुनौती

प्रीति जिंटा की ओर से दायर याचिका में 21 अप्रैल को आयोजित विशेष आम बैठक की वैधता को चुनौती दी गई है। आरोप लगाया गया है कि टीम के अन्य सह निदेशकों ने नियमों का उल्लंघन करते हुए बैठक की। बॉलीवुड स्टार प्रीति जिंटा, मोहित बर्मन और नेस वाडिया केपीएच ड्रीम क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं। यही कंपनी इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी पीबीकेएस (पंजाब किंग्स) की मालिक है।

अंपायर या चीयरलीडर, IPL टूर्नामेंट में ज्यादा कौन कमाता है? इनकी सैलरी जानकर उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग केवल एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि एक बिजनेस मॉडल भी है. इस खेल में टीम के मालिकों के साथ ही खिलाड़ी भी करोड़ों रुपये कमाते हैं. वहीं चीयरलीडर्स और अंपायर को भी खूब पैसा मिलता है. टीम के खिलाड़ियों की नीलामी लगती है, जिससे उन्हें मिलने वाली रकम का खुलासा हो जाता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि चीयरलीडर्स और अंपायर को एक मैच के लिए कितने रुपये मिलते हैं.

चीयरलीडर्स की एक आईपीएल मैच की सैलरी: आईपीएल मैच के दौरान चौके-छक्के पड़ने पर या किसी टीम की विकेट गिरने पर चीयरलीडर्स अपनी-अपनी टीम को सपोर्ट करती नजर आती हैं. सभी टीमों की चीयरलीडर्स की सैलरी अलग-अलग होती है. सभी फ्रेंचाइजी अपने-अपने मुताबिक इनकी सैलरी निर्धारित करती हैं. चीयरलीडर्स आईपीएल के एक सीजन से दो से चार लाख रुपये तक कमा सकती हैं. आईपीएल में जहां कोई टीम अपनी चीयरलीडर्स को एक मैच के लिए 14 हजार रुपये के करीब देती हैं. वहीं कोई टीम 24 हजार रुपये तक भी देती है. इस तरह टीम के मुताबिक चीयरलीडर्स को अलग-अलग पैसे मिलते हैं.

अंपायर को मिलते हैं इतने रुपये: अंपायर का काम मैच को सही तरीके से चलाने का होता है और ये मैच में निर्णायक भूमिका निभाते हैं. अंपायरों का काम चीयरलीडर्स की तुलना में ज्यादा होता है और इसी वजह से इनकी सैलरी भी ज्यादा होती है. आईपीएल 2019 में सबसे प्रमुख अंपायर जवागल श्रीनाथ को 52.45 लाख रुपये मिले थे. वहीं मनु नायर को आईपीएल में अंपायरिंग करने के लिए 41.96 लाख रुपये मिल चुके हैं. आईपीएल मैच में फर्स्ट अंपायर के निर्णय को बदलने के लिए रिव्यू भी लिया जा सकता है, जिसे डीआरएस कहते हैं. फील्ड अंपायर के निर्णय को थर्ड अंपायर बताता है.

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड:

टीम इंडिया को बड़ा झटका, मोहम्मद शमी का इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में खेलना मुश्किल

मेडिकल टीम ने बीसीसीआई को दी अहम जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देवेंद्र पांडे। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट सीरीज के लिए टीम का चयन करने को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पास अब बस कुछ ही दिन बचे हैं।

पता चला है कि सीनियर चयन समिति तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को दौरे से बाहर कर सकती है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बोर्ड को सूचित किया है कि 34 वर्षीय तेज गेंदबाज लंबे स्पैल नहीं कर पाएंगे। उनके सभी पांच टेस्ट मैच खेलने की संभावना भी बहुत कम है।

शमी को लेकर दुविधा में चयनकर्ता

मोहम्मद शमी को भारतीय टीम के साथ ले जाने और उन्हें कुछ मुकाबलों में खिलाने पर विचार-विमर्श किया गया। चूंकि जसप्रीत बुमराह ने पहले ही बीसीसीआई को सूचित कर दिया है कि उनका शरीर तीन टेस्ट मैच से अधिक नहीं झेल सकता है। ऐसे में चयन समिति इस दुविधा में है कि क्या इसी तरह के अनिश्चित गेंदबाज को टीम में शामिल किया जाए, जो शायद कुछ ही मैच खेल पाए। इससे भारतीय टीम की योजना भी प्रभावित होती है।

लंबे स्पैल गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ी की मांग

पता चला है कि चयनकर्ता भारतीय टीम में फिट गेंदबाजों को शामिल करना चाहते हैं, जो जरूरत पड़ने पर लंबे स्पैल में बॉलिंग कर सकें। एक सूत्र ने बताया, 'शमी आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 4 ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं। बोर्ड और चयनकर्ताओं को नहीं पता कि वह एक दिन में 10 ओवर से ज्यादा गेंदबाजी कर सकते हैं या नहीं। इंग्लैंड में टेस्ट मैच में तेज गेंदबाजों से लंबे स्पैल की मांग हो सकती है। हम कोई जोखिम नहीं उठा सकते।'

अर्शदीप सिंह या अंशुल कम्बोज को मिल सकता है मौका

मोहम्मद शमी ने अपना आखिरी टेस्ट मैच जून 2023 में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के दौरान ओवल में खेला था।

शमी के बाहर होने से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह या हरियाणा के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज के लिए जगह खुल सकती है। अंशुल कम्बोज ने 22 प्रथम श्रेणी मैच में 74 विकेट लिए हैं। अर्शदीप सिंह खासतौर पर काउंटी क्रिकेट के अपने पिछले सीजन के अनुभव को देखते हुए डार्क हॉर्स साबित हो सकते हैं। तब उन्होंने केंट का प्रतिनिधित्व किया था। चयन समिति ने इंग्लैंड दौरे के लिए पहले ही इंडिया ए टीम के लिए कम्बोज को चुन लिया था।

इंग्लैंड वर्सेस जिम्बाब्वे:

जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक लगाते ही इंग्लैंड के ओली पोप ने रच दिया इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के नंबर 3 ओली पोप ने गुरुवार 22 मई 2025 की रात इतिहास रचा। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में घरेलू मैदान (नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज स्टेडियम) पर शतक लगाया।

जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक लगाने के साथ ही वह विभिन्न देशों के खिलाफ अपने पहले 8 टेस्ट शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। खास यह है कि ओली पोप ने अब तक 9 टीमों के खिलाफ टेस्ट मैच खेला है। इसमें से 8 टीमों के खिलाफ उन्होंने शतक लगाये हैं। वह भारत, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, श्रीलंका, पाकिस्तान, आयरलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट मैच में शतक लगा चुके हैं। सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही वह अब तक टेस्ट मैच में शतक नहीं लगा पाए हैं। इस साल के अंत में उनके ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने की संभावना है। अगर वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी टेस्ट शतक बनाने में सफल हो जाते हैं तो एक बेहतरीन क्लब में शामिल हो जाएंगे।

ओली पोप ने 109 गेंद में पूरा किया शतक

ओली पोप ने 109 गेंद में अपना 8वां टेस्ट शतक पूरा किया। उन्होंने 3 अंकों का आंकड़ा पार करते हुए कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किये। ओली पोप ने नंबर 3 पर अपना सातवां शतक बनाया। इससे वह इस स्थान पर इंग्लैंड के बल्लेबाजों में जोनाथन ट्रॉट के बराबर आ गए। केवल दिग्गज वैली हैमंड, केन बैरिंगटन और डेविड गॉवर ने नंबर 3 पर इंग्लैंड के लिए उनसे अधिक टेस्ट शतक बनाए हैं। ओली पोप कम से कम आठ विभिन्न देशों के खिलाफ शतक बनाने वाले 30वें टेस्ट बल्लेबाज हैं। यदि वह इस साल के अंत में एशेज सीरीज में शतक लगाते हैं तो सचिन तेंदुलकर, जैक्स कैलिस, रिकी पोंटिंग, कुमार संगकारा और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गज क्रिकेटर्स के क्लब में शामिल हो जाएंगे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ इंग्लैंड के शीर्ष 3 बल्लेबाजों ने शतक लगाए

नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में चार दिवसीय टेस्ट के पहले दिन पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 88 ओवर में 3 विकेट पर 498 रन बनाए। बेन स्टोक्स की अगुआई वाली इंग्लैंड के शीर्ष तीनों बल्लेबाजों ने शतक बनाए। सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने घरेलू मैदान पर 100 गेंद मे शतक जड़ा, जबकि जैक क्रॉली ने अपेक्षाकृत धीमे शतक (145 गेंद में) लगाया। वह 171 गेंद में 124 रन बनाकर आउट हुए। दिन का खेल खत्म होने के समय ओली पोप 163 गेंद में 169 और हैरी ब्रूक 18 गेंद में 9 रन बनाकर क्रीज पर थे। जो रूट 44 गेंद में 3 चौके की मदद से 34 रन बनाकर पवेलियन लौट चुके थे।

इजराइली दूतावास के कर्मियों की हत्या करने वाले संदिग्ध ने कहा, यह फलस्तीन, गाजा के लिए किया

» वाशिंगटन, भाषा।

वाशिंगटन में यहूदी संग्रहालय के बाहर इजराइली दूतावास के दो कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या करने के आरोपी व्यक्ति ने गिरफ्तारी के बाद पुलिस से कहा, मैंने यह फलस्तीन के लिए किया, मैंने यह गाजा के लिए किया। संघीय अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को हत्या के इस मामले में आरोपों की घोषणा करते हुए यह जानकारी दी। अधिकारियों ने इसे एक लक्षित आतंकवादी हमला बताया। आरोप-पत्र दस्तावेजों के अनुसार, एलियास रोड्रिग्ज (31) को जब गिरफ्तार किया गया तो उसने फलस्तीन को आजाद करो के नारे लगाए। इस हमले में एक अमेरिकी महिला और एक इजराइली पुरुष की मौत हो गई थी, जो संग्रहालय में एक कार्यक्रम से अभी-अभी निकले थे। इस चौंकाने वाले हमले के बाद इजराइली मिशनों ने अपनी सुरक्षा बढ़ा दी और अपने झंडे आधे झुका दिए। यह हमला ऐसे वक्त हुआ है जब इजराइल हमास के साथ युद्ध में गाजा पट्टी में एक और बड़ा हमला कर रहा है, जिससे पूरे पश्चिम एशिया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव बढ़ गया है। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बार-बार चेतावनी दी है कि यह अमेरिका में हिंसा को बढ़ावा दे सकता है।

रोड्रिग्ज पर विदेशी अधिकारियों की हत्या और अन्य अपराधों के आरोप हैं और उसने औपचारिक अदालती पेशी के दौरान अपने बचाव में कोई दलील नहीं दी। अभियोजकों ने कहा कि संदिग्ध पर अतिरिक्त आरोप लगने की संभावना है, क्योंकि अधिकारी यहूदी समुदाय के खिलाफ घृणा अपराध और आतंकवाद दोनों पहलुओं से इन हत्याओं की जांच जारी रखे हैं। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया की यू.एस. अटॉर्नी जीनिन पीरो ने कहा, किसी के भी धर्म के आधार पर उसके खिलाफ हिंसा कायरतापूर्ण कार्य है। यह किसी नायक का काम नहीं है। यहूदी विरोधी भावना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, खासकर देश की राजधानी में। अमेरिका में इजराइल के राजदूत एचिएल लीटर के अनुसार, मृतकों की पहचान इजराइली नागरिक यारोन लिशिंस्की और अमेरिकी नागरिक सारा मिलग्रिम के रूप में हुई है। लिशिंस्की शोध सहायक थे और मिलग्रिम इजराइल में यात्राओं और मिशनों का आयोजन करती थीं। दोनों की जल्द सगाई होने वाली थी। बृहस्पतिवार को सार्वजनिक किए गए एफबीआई (संघीय जांच ब्यूरो) के हलफनामे में हत्या को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम देने की बात कही गई है। एफबीआई ने कहा कि दोनों यहूदी संग्रहालय से बाहर निकले ही थे तभी संदिग्ध वहां चार लोगों के समूह के पास पहुंचा और गोलियां चला दीं। निगरानी वीडियो में नजर आ रहा है कि गोली लगने के बाद रोड्रिग्ज जमीन पर पड़े सारा और यारोन के पास पहुंचता है और फिर से उन पर गोली चलाता है। हलफनामे में कहा गया है कि गोलीबारी के बाद संदिग्ध ने घोषणा की कि उसी ने इसे अंजाम दिया है। हलफनामे के अनुसार, संदिग्ध संग्रहालय के अंदर गया और कहा कि उसने यह सब किया है। हलफनामे के मुताबिक, हिरासत में लिए जाने के समय उसके पास हथियार नहीं थे। अदालती दस्तावेज में कहा गया है कि वह बार बार यही कह रहा था, मैंने यह सब फलस्तीन के लिए किया है। मैंने यह गाजा के लिए किया है।

गाजा मे हुए इजराइली हमलों में कम से कम 23 लोगों की मौत

दीर अल-बलाह (गाजा)। गाजा में बीती रात इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई। नासिर, अल-अक्सा और अल-अहली अस्पतालों के अनुसार दक्षिणी शहर खान यूनिस में हुए हमलों में कम से कम 10, दीर अल-बलाह में चार और जबालिया शरणार्थी शिविर में नौ लोगों की मौत हो गई। मृतकों के शव इन अस्पतालों में लाए गए थे। इजराइल अपने हालिया हमले के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से बढ़ती आलोचना का सामना कर रहा है। उस पर भयावह मानवीय संकट के बीच गाजा में सहायता पहुंचाने के लिए दबाव डाला जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इजराइल ने लगभग तीन महीने से गाजा में नाकेबंदी कर रखी है विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि गाजा के 20 लाख निवासियों में से कई पर अकाल का खतरा मंडरा रहा है।

गाजा के सबसे बड़े अस्पताल में बड़ी तादाद में कुपोषण से पीड़ित बच्चे भर्ती

खान यूनिस (गाजा पट्टी), (भाषा)। इजराइल-हमास युद्ध की कीमत मासूम बच्चे अदा कर रहे हैं। गाजा के अस्पताल में कुपोषण से पीड़ित इन बच्चों की दशा युद्ध के अभिशाप को साफ-साफ बयां करती है। अपनी दो साल की बेटी की कमजोर बांह को पकड़कर अस्मा अल-अरजा उसका कपड़ा ऊपर करके उसकी उभरी हुई पसलियों और फूले हुए पेट को दिखाती हैं। बच्ची अस्पताल के बिस्तर पर लेटी है, गहरी गहरी सांस लेती है और फिर बेकाबू होकर रोने लगती है। यह पहली बार नहीं है जब मयार कुपोषण से जूझते हुए गाजा के अस्पताल में आई हो, लेकिन इस बार 17 दिन अस्पताल में बिताना उसके लिए काफी मुश्किल रहा। उसे सीलिएक रोग है, जो एक ऑटोइम्यून विकार है जिसमें ग्लूटेन (गेहूं और जौ में पाए जाने वाला एक तत्व) के सेवन से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अपनी ही स्वस्थ कोशिकाओं और ऊतकों पर हमला करने लगती है। इसका मतलब है कि वह ग्लूटेन (गेहूं, मैदा, सूजी आदि) युक्त भोजन नहीं खा सकती और उसे विशेष भोजन की आवश्यकता होती है। लेकिन 19 महीने के युद्ध और इजराइल की कठोर नाकाबंदी के बाद युद्धग्रस्त क्षेत्र में उसके लिए खाने के विकल्प बहुत कम बचे हैं और जो उपलब्ध है उसे वह पचा नहीं पाती है। खान यूनिस के नासिर अस्पताल में मयार के बगल में बैठी उसकी मां ने कहा, उसे डायपर, सोया दूध और विशेष भोजन की जरूरत है। सीमा बंद होने के कारण यह सरलता से उपलब्ध नहीं है, जहां ए चीजें उपलब्ध है, वहां वो काफी महंगी हैं जिन्हें मैं वहन नहीं कर सकती। संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी के अनुसार, मयार उन 9,000 से अधिक बच्चों में से एक है जिनका इस साल कुपोषण के लिए इलाज किया गया है और खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले साल में ऐसे हजारों मामले सामने आने की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर इजराइल अपने सैन्य अभियान को नहीं रोकता है और अपनी नाकाबंदी पूरी तरह से नहीं हटाता है तो क्षेत्र में अकाल जैसी स्थिति भी आ सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पिछले सप्ताह कहा था कि लोग पहले से ही भूख से मर रहे हैं। फलस्तीनी क्षेत्रों के लिए संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के प्रतिनिधि नेस्टर ओवोमुहांगी ने कहा, जहां भी देखो, लोग भूखे हैं।

हर साल 500-800 भारतीय छात्र और शोधकर्ता हार्वर्ड में अध्ययन करते हैं

हार्वर्ड की विदेशी छात्रों के दाखिले की पात्रता रद्द भारत समेत कई देशों के विद्यार्थियों पर असर

» न्यूयॉर्क, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय की विदेशी छात्रों को दाखिला देने की पात्रता को रद्द कर दिया है जिससे विश्वविद्यालय में वर्तमान में पंजीकृत लगभग 800 भारतीय छात्रों समेत हजारों छात्रों की कानूनी स्थिति को लेकर चिंता उत्पन्न हो गई है। ट्रंप प्रशासन ने एक अभूतपूर्व घटनाक्रम के तहत गृह मंत्रालय को हार्वर्ड विश्वविद्यालय के छात्र एवं शैक्षणिक विनिमय प्रवेश कार्यक्रम (एसईवीपी) प्रमाणन को समाप्त करने का बृहस्पतिवार को आदेश दिया। संघीय एजेंसी ने कहा, इसका मतलब है कि हार्वर्ड अब विदेशी छात्रों को दाखिला नहीं दे सकता और मौजूदा विदेशी छात्रों को अपना कानूनी दर्जा खोना होगा या कहीं और जाना होगा। अमेरिका की गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय को लिखे पत्र में कहा, मैं आपको यह सूचित करने के लिए पत्र लिख रही हूं कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय के छात्र एवं शैक्षणिक विनिमय प्रवेश कार्यक्रम का प्रमाणन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। इस घटनाक्रम से हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों पर भी असर पड़ने का खतरा है। वर्तमान में हार्वर्ड में दुनिया भर से लगभग 10,158 छात्र और शोधकर्ता पंजीकृत हैं।

हार्वर्ड इंटरनेशनल ऑफिस की वेबसाइट के आंकड़ों के अनुसार हार्वर्ड विश्वविद्यालय के तहत सभी स्कूल में शिक्षण सत्र 2024-25 में भारत के 788 छात्र और शोधार्थी पंजीकृत हैं। हार्वर्ड ग्लोबल सपोर्ट सर्विसेज ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि हर साल 500-800 भारतीय छात्र और शोधकर्ता हार्वर्ड में अध्ययन करते हैं। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में एशियाई अमेरिकी, मूल हवाई द्वीप निवासी और प्रशांत द्वीपसमूह (एएएनएचपीआई) आयोग के सलाहकार रहे अजय भुटोरिया ने एक बयान में पीटीआई से कहा कि एक भारतीय-अमेरिकी के रूप में समुदाय के लिए अवसर को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध होने और आव्रजन नीतियों के एक मजबूत समर्थक होने के नाते वह ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से अत्यधिक नाराज हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्र अमेरिकी अर्थव्यवस्था में प्रतिवर्ष नौ अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का योगदान देते हैं और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक एवं आर्थिक संबंधों को मजबूत करते हैं तथा प्रौद्योगिकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में अक्सर नवोन्मेष का नेतृत्व करते हैं। भुटोरिया ने कहा, यह नीति हार्वर्ड में पढ़ रहे 500 से अधिक भारतीय छात्रों को सीधे तौर पर प्रभावित करती है जिसके कारण उन्हें अगले शैक्षणिक वर्ष के शुरू होने से पहले ही अमेरिका छोड़ने या देश में किसी और जगह स्थानांतरित होने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे शहरों की सर्वाधिक कुशाग्र प्रतिभाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले इन छात्रों ने हार्वर्ड की शिक्षा के लिए अपने सपनों, वित्त और भविष्य का निवेश किया है लेकिन राजनीतिक रूप से प्रेरित इस हमले के कारण उनकी आकांक्षाएं चकनाचूर हो गई हैं।

चागोस द्वीप मॉरीशस को सौंपने से ब्रिटेन की सुरक्षा मजबूत होगी : ब्रिटेन सरकार

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन ने विवादित चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने के लिए बृहस्पतिवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा कि यह कदम अमेरिका-ब्रिटिश सैन्य अड्डे के भविष्य को सुनिश्चित करता है जो उसकी सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। हिंद महासागर द्वीपसमूह के सबसे बड़े द्वीप डिएगो गार्सिया पर सामरिक रूप से अहम नौसैनिक और बमवर्षक अड्डा स्थित है। समझौते के तहत ब्रिटेन मॉरीशस को कम से कम 99 साल के लिए अड्डे को पुनः पट्टे पर लेने के लिए प्रति वर्ष औसतन 10 करोड़ 10 लाख पाउंड का भुगतान करेगा। प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने कहा कि अमेरिकी सेना द्वारा संचालित यह अड्डा ब्रिटिश आतंकवाद-रोधी और खुफिया जानकारी के लिए महत्वपूर्ण है और यह हमारी घरेलू सुरक्षा का आधार है। स्टॉर्मर ने लंदन के निकट नॉर्थवुड में ब्रिटिश सैन्य मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, अपनी शर्तों पर यह समझौता करके हम मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं।

इससे यह सैन्य अड्डा अगली शताब्दी तक अच्छे तरीके से संचालित हो सकेगा और आने वाली कई पीढ़ियों तक हमें सुरक्षित रखने में मदद करेगा। इस समझौते के आलोचकों का तर्क है कि दो शताब्दियों से ब्रिटिश क्षेत्र रहे इस द्वीपसमूह को छोड़ने से रूस या चीन जैसी विदेशी शक्तियों के हस्तक्षेप का खतरा पैदा हो जाएगा। इस समझौते को संसद द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है। कंजर्वेटिव पार्टी के प्रवक्ता जेम्स कार्टलिज ने इस समझौते की कड़ी आलोचना की। यह समझौता द्वीप के कुछ मूल निवासियों के विरोध के बावजूद किया गया था। इन निवासियों को सैन्य अड्डा बनाने के लिए दशकों पहले निष्कासित कर दिया गया था। इससे पहले, ब्रिटेन की एक अदालत ने विवादित चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को सौंपने पर ब्रिटिश सरकार पर लगाई गई रोक हटा दी थी।

रूस में ड्रोन हमलेः भारत के संसदीय प्रतिनिधिमंडल को ले जा रहा विमान 40 मिनट की देरी से उतरा

मॉस्को, (भाषा)। भारतीय संसदों के एक प्रतिनिधिमंडल सहित अन्य यात्रियों को लेकर मॉस्को आया विमान बृहस्पतिवार को लगभग 40 मिनट की देरी से उतरा। घटनाक्रम से वाकिफ लोगों ने बताया कि रातभर हुए ड्रोन हमलों के मद्देनजर मॉस्को के हवाई अड्डों को कुछ देर के लिए बंद कर दिया गया था, जिसके चलते विमान देरी से उतरा। रूसी अधिकारियों ने कहा कि अस्थाई उड़ान प्रतिबंधों के कारण 153 उड़ानें प्रभावित हुईं। मामले के बारे में जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि यूक्रेन ने रूस की राजधानी पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए, जिसके चलते यहां स्थित सभी हवाई अड्डों को कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा। उन्होंने कहा कि कुछ उड़ानों को दूसरे हवाई अड्डों की तरफ मोड़ दिया गया। हालांकि, फिलहाल रूसी अधिकारियों ने उड़ानों में देरी की वजहों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया है। घटनाक्रम से वाकिफ लोगों के मुताबिक, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की सांसद कनिमोई के नेतृत्व वाले भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल को लेकर आ रहा विमान लगभग 40 मिनट की देरी से डोमोडेडोवो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। भारतीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के खिलाफ कतई बर्दाश्त न करने की नीति को रेखांकित करने और सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों में पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करने के लिए नई दिल्ली के वैश्विक कूटनीतिक प्रयास के हिस्से के रूप में मॉस्को पहुंचा है। समाचार पोर्टल आरटीवीआई की खबर के अनुसार, यूक्रेन ने मॉस्को से लगभग 400 किलोमीटर दक्षिण में स्थित एलेट्स शहर पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में सक्रिय साझेदार बना हुआ है : विदेश कार्यालय

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने शुक्रवार को कहा कि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में यह देश निरंतर एक सक्रिय साझेदार बना हुआ है। विदेश कार्यालय का यह बयान राजस्थान के बीकानेर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बृहस्पतिवार को की गई उन टिप्पणियों के जवाब में आया है, जिसमें कहा गया था कि अगर पाकिस्तान ने आतंकियों को भेजना जारी रखा, तो उसे (पाकिस्तान को) पाई-पाई के लिए मोहताज होना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था, पाकिस्तान को भारत के हक का पानी नहीं मिलेगा, भारतीयों के खून से खेलना, पाकिस्तान को अब महंगा पड़ेगा। यह भारत का संकल्प है, और दुनिया की कोई ताकत हमें इस संकल्प से डिगा नहीं सकती। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के एक दिन बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े कदम उठाने की घोषणा की थी, जिनमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना भी शामिल है।

इस आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। विदेश कार्यालय ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में पाकिस्तान निरंतर एक सक्रिय साझेदार बना हुआ है और पाकिस्तान को आतंकी कृत्यों से जोड़ने का कोई भी आरोप तथ्यात्मक रूप से गलत और स्पष्ट रूप से भ्रामक है। पाकिस्तान ने भारत से जिम्मेदारी और संयम बरतने का आग्रह किया। विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, क्षेत्रीय स्थिरता और रचनात्मक भागीदारी के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश कार्यालय ने यह भी कहा कि शांति के लिए पाकिस्तान की इच्छा को उसकी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए, क्योंकि पाकिस्तान के लोग और उसके सशस्त्र बल देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के लिए पूरी तरह तैयार और सक्षम हैं। इसने कहा कि किसी भी दुस्साहस या आक्रमकमता का कड़ा और उचित जवाब दिया जाएगा।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख यूनुस इस्तीफा देने पर कर रहे विचार : खबर

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि देश में बदलाव लाने के लिए राजनीतिक दलों के बीच सहमति नहीं बन पाने के कारण उन्हें काम करना मुश्किल लग रहा है। एक खबर में यह दावा किया गया। बीबीसी बांग्ला सेवा ने छात्रों के नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख नाहिद इस्लाम के हवाले से कहा कि यूनुस देश में उभरते राजनीतिक हालात को लेकर चिंतित हैं और उन्हें आशंका है कि वह अपना काम जारी रख पाएंगे या नहीं। देश में संसदीय चुनाव कराने की संभावित समयसीमा को लेकर सेना और अंतरिम सरकार के बीच कुछ असहमति की भी खबरें हैं।

इस्लाम ने यूनुस के देश के मुख्य सलाहकार पद से इस्तीफे पर विचार करने की बात कही, लेकिन इस खबर पर यूनुस के कार्यालय की ओर से कोई आधिकारिक वक्तव्य जारी नहीं किया गया या इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। इस्लाम ने बीबीसी से कहा कि यूनुस ने कहा, मुझे बड़े विद्रोह के बाद देश में बदलाव और सुधार लाने के लिए यहां लाया गया था। लेकिन मौजूदा हालात में आंदोलनों की ओर से बढ़ते दबाव और जिस तरह से मुझे दरकिनार किया जा रहा है, मैं काम नहीं कर सकता। सभी राजनीतिक दल सहमति पर पहुंचने में विफल रहे हैं। इस्लाम के मुताबिक, उन्होंने यूनुस से कहा कि देश की सुरक्षा और भविष्य के लिए मजबूत बने रहें और जन-विद्रोह की उम्मीदों पर खरा उतरें। उनके मुताबिक, उन्होंने मुख्य सलाहकार से कहा कि उन्हें उम्मीद है कि राजनीतिक दल एकजुट होकर उनके साथ सहयोग करेंगे और मुझे उम्मीद है कि हर कोई उनके साथ सहयोग करेगा। इस्लाम पिछले साल जुलाई में हुए छात्रों के आंदोलन की अगुवाई करने वाले संगठन स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के एक प्रमुख समन्वयक थे। इस आंदोलन के कारण ही तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देना पड़ा था। पिछले दो दिन में यूनुस की सरकार को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है जिनमें अंतरिम कैबिनेट के अंदर बढ़ता तनाव भी है। अंतरिम सरकार ने 12 मई को शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी की पूर्ववर्ती सरकार को रातोंरात संशोधित एक आतंकवाद निरोधक कानून के तहत आधिकारिक रूप से भंग कर दिया था। इससे दो दिन पहले ही अंतरिम सरकार ने कानून के पिछले संस्करण के तहत पार्टी की गतिविधियों पर रोक लगा दी थी।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने विदेश मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी को कार्यमुक्त किया

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने बृहस्पतिवार को विदेश मंत्रालय में शीर्ष स्तर पर बदलाव करते हुए विदेश सचिव जाशिम उद्दीन को अस्थाई रूप से कार्यमुक्त कर दिया। विदेश मंत्रालय के एक आदेश के अनुसार, यह निर्णय लिया गया है कि विदेश सचिव जाशिम उद्दीन को जिम्मेदारियों से मुक्त किए जाने की पृष्ठभूमि में अग्रिम आदेश तक एम रुहुल आलम सिद्दीक विदेश सचिव के नियमित कामकाज संभालेंगे। विदेश मंत्रालय के एक महानिदेशक के हस्ताक्षर वाले संक्षिप्त आदेश में कहा गया कि यह 23 मई से प्रभावी होगा और इसे जनहित में जारी किया गया है। खबरों के मुताबिक, सरकार ने जाशिम उद्दीन को करीब दो सप्ताह पहले अज्ञात कारणों से हटाने का फैसला किया था। दो दिन पहले द डेली स्टार अखबार ने लिखा कि विदेश मंत्रालय में इन खबरों को लेकर अनिश्चितता का माहौल है कि जाशिम उद्दीन को हटाया जाएगा, वहीं जूनियर मंत्री के ओहदे के साथ विदेश मामलों के लिए मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक नियुक्त किए गए एक अन्य सेवानिवृत्त राजनयिक सूफीउर रहमान ने अभी तक कामकाज नहीं संभाला है। हालांकि विदेश मामलों के सलाहकार एम तौहीद हुसैन ने बुधवार को कहा कि हाशिम उद्दीन ने अपनी मौजूदा जिम्मेदारियों को छोड़ने की मंशा जताई है और यह उन्हें पद से हटाने जैसा नहीं है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में टीटीपी के तीन आतंकवादी मारे गए

» लाहौर, भाषा।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शुक्रवार को प्रतिबंधित आतंकवादी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के तीन आतंकवादी मारे गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) के एक बयान में कहा गया कि उसे लाहौर से लगभग 325 किलोमीटर दूर मियांवाली जिले में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली थी। इसमें कहा गया कि आतंकवादी रहमानी खेल मोड़ के पास पुलिस चौकियों पर हमला करने की साजिश रच रहे थे।

खुफिया जानकारी के आधार पर सीटीडी की टीम ने उनके (आतंकवादियों के) ठिकाने को घेर लिया और आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन आतंकवादियों ने गोलीबारी करना शुरू कर दिया। सीटीडी के बयान में कहा गया, मुठभेड़ के दौरान तीन आतंकवादी मौके पर ही मारे गए, जबकि उनके छह साथी भागने में सफल रहे। बयान में कहा गया कि आतंकवादियों के पास से दो राइफल और कई कारतूस बरामद किए गए बयान में कहा गया, आतंकवादियों ने पुलिस चौकियों पर हमला करने की साजिश रची थी।इसमें कहा गया है कि फरार आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कसा तंज — देश बाहरी खतरों, आतंकवाद में वृद्धि और आर्थिक संकट का सामना कर रहा : खान

जनरल मुनीर को खुद को फील्ड मार्शल की जगह राजा की उपाधि देनी चाहिए थी : इमरान खान

» लाहौर, भाषा।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पर तंज करते हुए कहा है कि उन्हें खुद को फील्ड मार्शल के बजाय राजा की उपाधि देनी चाहिए थी क्योंकि पाकिस्तान में इस वक्त जंगलराज है और जंगल में केवल एक ही राजा होता है। जनरल मुनीर को भारत के साथ हालिया संघर्ष में उनकी भूमिका के लिए मंगलवार को फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया। वह देश के इतिहास में इस पद पर पदोन्नत होने वाले दूसरे शीर्ष सैन्य अधिकारी बन गए हैं।

जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री खान ने बृहस्पतिवार को एक्स पर लिखा, माशाअल्लाह, जनरल आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाया गया है। हालांकि ज्यादा अच्छा तो यह होता कि उन्हें राजा की उपाधि दी जाती क्योंकि अभी देश में जंगलराज है और जंगल में केवल एक ही राजा होता है। अगस्त 2023 से कई मामलों में जेल में बंद खान ने यह भी कहा कि उनके साथ किसी समझौते की अफवाहें पूरी तरह से झूठी हैं। उन्होंने कहा, कोई डील नहीं हुई है और न ही कोई बातचीत हो रही है। ये निराधार बातें हैं। हालांकि, उन्होंने खुले तौर पर सैन्य अधिकारियों को आमंत्रित किया कि अगर वे वास्तव में पाकिस्तान के हितों और भविष्य की परवाह करते हैं तो उनके साथ बातचीत कर सकते हैं। खान ने कहा, देश बाहरी खतरों, आतंकवाद में वृद्धि और आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। हमें एकजुट होना चाहिए। मैंने पहले कभी अपने लिए कुछ नहीं मांगा और न ही अब मांगूंगा। खान ने शहबाज शरीफ सरकार को भारत के एक और हमले के बारे में भी आगाह किया और कहा कि उन्हें ऐसी किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को ऐसा स्थान बना दिया गया है जहां कानून केवल कमजोर लोगों पर लागू होता है शक्तिशाली लोगों पर नहीं। खान ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में पाकिस्तान का नैतिक और संवैधानिक ढांचा पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने कहा, तोशाखाना-2 मामले में हास्यास्पद सुनवाई फिर से शुरू की गई है। जेल की तरह ही अदालती कार्यवाही भी एक कर्नल की इच्छा से तय की जाती है। मेरी बहनों और वकीलों को अदालत में आने से रोका जा रहा है। मेरे साथियों को मुझसे मिलने की अनुमति नहीं है, मुझे महीनों से अपने बच्चों से मिलने नहीं दिया जा रहा है यहां तक कि मेरी किताबें भी नहीं पहुंचाई जा रही हैं और मुझे मेरे चिकित्सक से भी मिलने नहीं दिया जा रहा है। यह अदालती आदेशों और कानूनों का लगातार उल्लंघन है। खान ने कहा कि उन्हें खैबर पख्तूनख्वा के क्षेत्रों में ड्रोन हमलों के बारे में जानकारी मिली है और उन्होंने खैबर पख्तूनख्वा सरकार को संघीय सरकार के समक्ष आधिकारिक रूप से विरोध दर्ज कराने तथा इन ड्रोन हमलों को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, ड्रोन हमलों में निर्दोष नागरिकों की हत्या आतंकवाद को कम नहीं करती बल्कि इससे आतंकवाद को बढ़ावा ही मिलता है। वर्षों के संघर्ष के बाद हम पाकिस्तान में अमेरिकी ड्रोन अभियानों को रोकने में सफल हुए हैं। अगर आप आतंकवाद के खिलाफ होने का दावा करते हैं तो अपने ही लोगों के घरों पर बम न गिराएं।

जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से कहा भारत रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने को लेकर आशान्वित : जयशंकर

» बर्लिन, भाषा।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से कहा कि भारत द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने के लिए उनकी सरकार के साथ काम करने के वास्ते उत्सुक है। जयशंकर नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी की अपनी तीन देशों की यात्रा के अंतिम पड़ाव के तहत बर्लिन में हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, (मैंने) आज बर्लिन में चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से मिलकर गौरवान्वित महसूस किया। उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। हम रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने के लिए उनकी सरकार के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं। भारत आतंकवाद की चुनौती का डटकर मुकाबला कर रहा है, ऐसे में उसके प्रति जर्मनी की एकजुटता की मैं सराहना करता हूं। उन्होंने वित्त और ऊर्जा मंत्री कैथरीना रीचे से भी मुलाकात की। जयशंकर ने कहा, हमने अपनी प्रतिभाओं के बीच संपर्क, उद्योग साझेदारी और अधिक लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए संयुक्त सहयोग को बढ़ाने के तौर-तरीकों पर चर्चा की।

उन्होंने मर्ज के विदेश एवं सुरक्षा नीति सलाहकार गुंटर साउटर के साथ भी सार्थक बातचीत की। जयशंकर ने कहा, हमने आतंकवाद से निपटने समेत प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। हमारी गहरी होती साझेदारी अनिश्चित दुनिया में स्थिरता का एक महत्वपूर्ण कारक है। हम लचीलापन और विश्वास को मजबूत करने के लिए भी मिलकर काम करेंगे। बृहस्पतिवार को जयशंकर ने जर्मन बुंडेस्टैग (संसद) के सदस्यों के साथ उपयोगी बातचीत की थी और भारत-जर्मनी संबंधों के निरंतर विकास के लिए उनके मजबूत समर्थन की सराहना की थी। जयशंकर ने कहा, उनके साथ सभी तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता पर भी चर्चा की।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,